25 अक्टूबर 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



किला मैदान में उमड़ा जनसैलाब, बोले अमित शाह मोदी सरकार में देश सुरक्षित

3

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

बोले मोदी-शाह... ईबीसी, विकास और शहाबुद्दीन के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी बीजेपी



- भाजपा ने कपूर्री ठाकुर के गांव से शुरू की चुनावी यात्रा

एजेंसी/ पटना

प्रत्याशियों के नामांकन और तेजस्वी यादव के महागठबंधन का सीएम फेस घोषित होने के बाद पहले ही दिन चुनाव प्रचार में उतरे पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने बता दिया है कि एनडीए इस बार किन मुद्दों पर चुनाव लड़ेगा। दोनों दिग्गज नेताओं ने संकेत किया कि वे इस चुनाव में अति पिछड़ा, विकास और अपराध के विरोध पर दांव लगाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अति पिछड़े समुदाय के सबसे बड़े नेता कपूर्री ठाकुर के गांव से अपनी चुनावी यात्रा शुरू कर अति पिछड़े समुदाय को रिझाने का ही काम किया है। कपूर्री ठाकुर के सम्मान में उन्होंने यहां तक कह दिया कि यदि उनके जैसे लोग राजनीति कर रहे हैं, और देश के सबसे ऊंचे पद पर बैठे हैं तो यह कपूर्री ठाकुर के प्रयासों का ही परिणाम है। पीएम की ये बातें अति पिछड़े समुदाय में भावनात्मक असर पैदा करने वाली हैं। लेकिन भाजपा ने अपनी चुनावी रैलियों में केवल अति पिछड़े समुदाय को ही नहीं साधा है। भाजपा नेताओं ने विकास को भी पूरी तवज्जो दी है, और जनता को नया बिहार बनाने का सपना भी दिखाया है। स्वयं नीतीश कुमार ने इस बात को आगे बढ़ाया और कहा कि इसके पहले बिहार में कोई बदलाव नहीं होता था। लेकिन अब काम हो रहा है। विकास में केंद्र का पूरा साथ मिल रहा है और अब बिहार और तेज गति से आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री ने इसी कड़ी को यह कहते हुए आगे बढ़ाया कि इस बार एनडीए को बिहार में रिकॉर्ड बहुमत मिलेगा क्योंकि इस बार पूरे बिहार के हर हिस्से में विकास के कार्य हो रहे हैं। जनता यह विकास देख रही है और इस विकास की सहभागी है। ऐसे में प्रधानमंत्री और पूरे भगवा खेमा को यह भरोसा है कि बिहार की जनता इस बार उन्हें रिकॉर्ड बहुमत देगी। कहा जा सकता है कि मोदी का यह भरोसा अपने काम पर ही है। पूरे देश में विकास के दम पर राजनीति को

जंगलराज की असलियत भी बताने से नहीं चूक रहे

लेकिन इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री ने जनता को जंगलराज का डर भी दिखाया। उन्होंने जनता को यह बताया कि यदि महागठबंधन को अवसर मिल गया तो बिहार से सारे उद्योग वापस हो जाएंगे। सारा विकास ठप पड़ जाएगा। नीतीश कुमार ने भी यह बताने में कोई कसर नहीं छोड़ा कि लालू परिवार केवल अपने बच्चों के भविष्य के लिए राजनीति करता है, जबकि एनडीए बिहार की जनता के बच्चों के भविष्य के लिए काम करता है। गरीब लोगों के बीच इन मुद्दों पर बहस होते हुए देखा जा रहा है। कहना न होगा कि यह मुद्दा गरीबों के बीच असर कर रहा है और चुनाव पर इसका असर पड़ सकता है।

शहाबुद्दीन पर अमित शाह का हमला अकारण नहीं

भाजपा नेताओं ने लालू यादव के शासनकाल वाले श्जंगलराजश पर हमला करना जारी रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक दिन पहले भाजपा कार्यकताओं से बातचीत में भी कहा था कि बिहार की जनता जंगलराज का दौर सौ साल तक नहीं भूलेगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी जंगलराज पर राजद-कांग्रेस पर हमला बोला है। अमित शाह उस सीवान इलाके में थे जो राष्ट्रीय जनता दल के बाहुबली नेता शहाबुद्दीन के सुरक्षित किले के तौर पर देखी जाती थी। राजद ने इस बार शहाबुद्दीन के बेटे को अपना प्रत्याशी बनाया है। अमित शाह ने कहा कि अब सौ शहाबुद्दीन भी आ जाएं तो भी बिहार को जंगलराज के दौर में वापस नहीं ले जाया जा सकता।

बाइक और स्कूल बस की टक्कर एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

एजेंसी/ चिक्कबल्लापुर

कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां की सड़कों तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जिसके चलते गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा उस वक्त हुआ जब पांच लोगों से भरी एक मोटरसाइकिल की टक्कर स्कूल बस से हो गई। ता दें कि हादसे में मारे जाने लोगों की पहचान बालाजी (35), उनके बेटे आर्या (11), रिश्तेदार हरीश (12) और साले वेंकटेशप्पा (50) के रूप में हुई है। सभी चिलाकलनेरपु गांव के रहने वाले थे और थालकयालाबेट्टा में एक शादी में शामिल होने जा रहे थे। मामले में पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना



बुरुडुगुंटे गांव के पास केनचारलहल्ली क्षेत्र में हुई, जब कोलार्पार्थी से लौट रही स्कूल बस उनकी बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बालाजी की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरवाजा जाम होने के चलते नहीं निकल पाए लोग

कुरनूल बस हादसा : आग में जिंदा जले 20 यात्री



एजेंसी/ कुरनूल

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के निकट एक निजी बस में दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिससे इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में बाइक सवार एक व्यक्ति भी शामिल है। हादसे पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शोक जताया है। प्रारंभिक सूचना के अनुसार, बंगलूरू से हैदराबाद जा रही बस में हादसे के दौरान करीब 41 लोग सवार थे। इसमें कहा गया है कि टक्कर के बाद मोटरसाइकिल बस के नीचे आ गयी और इसके ईंधन टैंक का ढक्कन खुल गया जिससे आग लग गई। कुरनूल के जिला कलेक्टर डॉ ए सिरी ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया, यह दुर्घटना सुबह 3 बजे के करीब हुई जब बस एक बाइक से टकरा गई। जिससे ईंधन रिसाव हुआ और आग लग गई। 41 यात्रियों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। बाकी 20 में से 11 के शवों की अब तक पहचान हो पाई है। बाकी की पहचान के प्रयास जारी हैं। कुरनूल संभाग के पुलिस उप महानिरीक्षक कोया प्रवीण ने बताया कि 19 यात्री, दो बच्चे और दो चालक इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और कुछ ही मिनटों में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्देश के बाद यह हेल्पलाइन शुरू की गई। उन्होंने सरकार के मुख्य सचिव के रामकृष्ण

पीएम ने किय आर्थिक मदद का एलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कुरनूल सड़क हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री कार्याल के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी संदेश के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा, श्आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई दुर्घटना में जान-माल की हानि से अत्यंत दु:खी हूं। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।श

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने शोक प्रकट किया

इससे पहले मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हादसे के बाद शोक जताते हुए कहा, कुरनूल जिले के चिन्ना टेकुर गांव के पास हुई भीषण बस आग दुर्घटना के बारे में जानकर मुझे गहरा सदमा पहुंचा है। मेरी हार्दिक संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। सरकारी अधिकारी घायलों और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे।

घायलों को कुरनूल जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया

हादसे के बाद गहरी नींद में सो रहे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। जबकि कई लोगों के आग में फंसने की भी खबर सामने आई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को कुरनूल जनरल अस्पताल ले जाया गया। पूरी बस पूरी तरह जल गई। बताया जा रहा है कि ज्यादातर यात्री हैदराबाद शहर के थे। हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर फरार हो गए। कुरनूल बस हादसारू आग में जिंदा जले 20 यात्री



इंदौर में भी कार्बाइड गन से मचा हाहाकार, नौ लोगों की आंखें खराब

एजेंसी/ इंदौर

इंदौर में कार्बन गन के खतरनाक प्रभाव सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि कार्बन गन के संपर्क में आने से नौ लोगों की आंखें खराब हो गईं, जिनमें से एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को इंदौर के एमवाय हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कार्बाइड गन से चोटिल होने वालों की लगातार बढ़ती संख्या के बाद प्रशासन ने इसके क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया है। गन से चोटिल घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। साथ ही गन बेच रहे एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। दीपावली के जश्न के बीच मध्य प्रदेश में एक खतरनाक ट्रेंड ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए देसी कार्बाइड गन या कार वाइट गन नाम के एक पटाखे ने सैकड़ों बच्चों की आंखों की रोशनी छीन ली। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ भोपाल में ही 23 बच्चों को आंखों और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। अब सवाल ये उठता है कि बच्चा का दिल बहलाने वाला पटाखा कैसे उनकी आंखों का दुश्मन बन गया।एम्स भोपाल के आई स्पेशलिस्ट डॉक्टर अनिल वर्मा ने बताया कि कार्बाइड गन में बनने वाली एसिटिलीन गैस आंख की कॉर्निया को 90 प्रतिशत तक जला देती है। बच्चों के बिना सेफ्टी गियर इस्तेमाल करने के कारण खतरा और भी बढ़ जाता है। कई मामलों में कॉर्निया में सूजन और जलन पाई गई है, और कुछ बच्चों को अस्पताल में भर्ती कर इलाज कराना पड़ा। डॉक्टरों का कहना है कि आंख बेहद संवेदनशील अंग है, इसलिए जरा सी चिंगारी भी गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

बिहार को लालटेन की जरूरत नहीं है : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी/ समस्तीपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरूआत की। समस्तीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर जमकर प्रहार किया। मोदी ने जनसभा में आए हुए लोगों से कहा कि सभी लोग अपना मोबइल निकालिए और लाइट जलाइए। पीएम मोदी ने कहा कि जब हर हाथ में लाइट है तो लालटेन चाहिए क्या, पीएम मोदी ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व का बिगुल बज चुका है और पूरा बिहार कह रहा है- ह्यफिर एक बार एनडीए सरकार, फिर एक बार सुशासन सरकार, जंगलराज वालों को दूर रखेगा बिहार।ह्ल पीएम मोदी ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व का बिगुल बज चुका है और पूरा बिहार कह रहा है- ह्यफिर एक बार एनडीए सरकार, फिर एक बार सुशासन सरकार, जंगलराज वालों को दूर रखेगा बिहार।ह्ल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरूआत की। समस्तीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर जमकर प्रहार किया। मोदी ने जनसभा में आए हुए लोगों से कहा कि सभी लोग अपना मोबइल निकालिए और लाइट जलाइए।



दरवाजा जाम होने के चलते नहीं निकल पाए लोग

यमुना में छठ से पहले झाग हटाने के लिए हो रहा है केमिकल का प्रयोग : अखिलेश

- सफाई के नाम पर हो रहे केमिकल के इस्तेमाल से बढ़ेगी परेशानी

एजेंसी/ लखनऊ

देश की राजधानी दिल्ली में छठ पर्व से पहले यमुना नदी की सफाई को लेकर शुरू हुआ केमिकल विवाद अब राजनीतिक रंग ले चुका है। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली सरकार की ओर से यमुना से झाग हटाने के लिए डी-फोमर केमिकल के उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच न किए जाने से लेकर गंगा-यमुना के प्रदूषण तक का मुद्दा छेड़ा। मामले को लेकर उन्होंने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी को घेरा है। अखिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली में यमुना नदी के प्रदूषण को दूर करने के लिए, मनुष्य के शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच किए बिना डाले गए केमिकल के बारे में इस गंभीर रिपोर्ट का तुरंत संज्ञान लिया जाए। छठ पर्व से पहले यह एक अति संवेदनशील विषय है।

दिल्ली से यूपी तक को जोड़ा



समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने आगे कहा कि यमुना जी मथुरा होते हुए प्रयागराज तक जाती हैं। गंगा नदी में यमुना का संगम होता हैं। ऐसे में यमुना का प्रदूषण केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहता, बल्कि गंगा के जल को भी दूषित करता है। अखिलेश ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के कारण भाजपा सरकार यमुना और गंगा को अविरल और निर्मल रखने में पूरी तरह विफल रही है। सरकार को कम से कम इन्हें और अधिक प्रदूषित तो नहीं करना चाहिए। सपा मुखिया ने यह भी पूछा कि नदियों की स्वच्छता के लिए जो अरबों रुपये खर्च किए गए, उनका क्या हुआ। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की गहन जांच होनी चाहिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अखिलेश ने कहा कि भारत में नदियां सिर्फ जलधारा नहीं हैं, बल्कि आस्था और भावनाओं का प्रतीक हैं।

बक्सर की सभी चार विधानसभा सीटो पर निशाने पर लगेगा एनडीए का तीर : रवि उज्ज्वल

अमथुआ में जनसभा के दौरान जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा का आह्वान, बोले एनडीए के प्रति जनता में है जबदस्त उत्साह, जिले की चारों सीट पर होगी एनडीए की प्रचंड जीत

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर डुमरांव विस क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को अमथुआ में आयोजित एक जनसभा के दौरान जदयू नेता रवि



उज्ज्वल कुशवाहा ने जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह के समर्थन में लोगों से अपील की। उन्होंने कहा कि डुमरांव में एनडीए गठबंधन की सरकार ने विकास की जो गाड़ी चलायी है, उसे न केवल जारी रखना है, बल्कि और रफ्तार देना है। इसके लिए एनडीए को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाना प्रत्येक मतदाता की जिम्मेदारी है।

सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में डुमरांव ने विकास के कई नए आयाम छुए हैं। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ग्रामीण इलाकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है, साथ ही समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने में जदयू सरकार ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। उन्होंने विपक्ष पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि राजद के शासनकाल में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं थी। खेतों में लगे मोटर तक सुरक्षित नहीं थे और दिन दहाड़े लूट की घटनाएं आम हो गई थीं। उस कालखंड में लोग भय के साये में जीने को मजबूर थे और शाम होते ही बाजार वीरान हो जाता था। उन्होंने जनता से सवाल करते हुए कहा कि क्या वह अंधेरे के उसी दौर में वापस लौटना चाहती है, उन्होंने कहा कि आज स्थिति पूरी तरह भिन्न है और डुमरांव ने विकास व सुरक्षा दोनों मोर्चों पर सकारात्मक बदलाव देखे हैं। रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने कहा कि एनडीए शासन में कृषि क्षेत्र को मजबूती मिली है। किसानों के लिए कई लोकहितकारी योजनाओं का संचालन किया गया, जिसका सीधा लाभ खेत व खेतिहर दोनों को मिला है। उन्होंने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने तथा तकनीकी शिक्षा के प्रसार का भी उल्लेख किया। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन के क्षेत्र में जदयू सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किया है, जिसके परिणामस्वरूप आज महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

रवि ने डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह की तारीफ की और कहा कि वे पढ़े लिखे तथा सुलझे प्रत्याशी है। उनके पास डुमरांव विधानसभा क्षेत्र को मॉडल विस क्षेत्र बनाने का विजन है। उन्होंने कहा कि इस बार जिले सहित पूरे राज्य में एनडीए के पक्ष में जबदस्त लहर चल रही है तथा बक्सर की सभी चार विधानसभा सीटो पर इस बार एनडीए का तीर निशाने पर लगेगा।

आपराधिक मुकदमे वाले अभ्यर्थियों को प्रचार व्यय का भी देना होगा हिसाब

बक्सर जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में अभ्यर्थियों के व्यय लेखा का मिलान संपन्न

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने की दिशा में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निदेर्शों के अनुपालन में शुक्रवार को बक्सर जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के व्यय लेखा का विस्तृत मिलान किया गया। यह कार्य अभ्यर्थी व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग के पदाधिकारियों द्वारा व्यय प्रेक्षक धीरज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ। इस दौरान बक्सर, डुमरांव, राजपुर एवं ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थियों ने अपने समस्त चुनावी व्ययों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बक्सर विधानसभा में कुल 15 अभ्यर्थियों ने चुनाव लड़ने की घोषणा की है, जबकि डुमरांव में 16, राजपुर में 13 एवं ब्रह्मपुर में 08



अभ्यर्थियों ने निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लिया है। सभी अभ्यर्थियों ने अपने चुनावी व्यय का अद्यतन विवरण प्रस्तुत करते हुए अनिवार्य रूप से बैंक खाते का स्टेटमेंट, प्रतिदिन का व्यय लेखा, नगद भुगतान रजिस्टर तथा बैंक रजिस्टर को लेखापित किया। व्यय प्रेक्षक दल द्वारा इन सभी दस्तावेजों की गहन जांच की गई तथा एस ओ आर (स्टेटमेंट ऑफ एक्सपेंडिचर रिपोर्ट) से मिलान कर सत्यापन किया गया।

अभ्यर्थी व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग के नोडल पदाधिकारी तेजकांत झा ने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप जिन अभ्यर्थियों के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लॉबित है, उन्हें अपनी उस स्थिति का प्रचार समाचार पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से करना अनिवार्य है। इस प्रचार-प्रसार पर हुए व्यय को भी उनकी व्यय पंजी में अंकित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह नियम मतदाताओं को अभ्यर्थियों की पृष्ठभूमि से अवगत कराने के उद्देश्य से लागू किया गया है, जिससे मतदान अधिक जिम्मेदारी एवं जागरूकता के साथ किया जा सके।

चारों विधानसभा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग सहायक व्यय प्रेक्षक एवं लेखा दल गठित किए गए हैं। इन दलों द्वारा अभ्यर्थियों के व्यय पंजी का विश्लेषण किया गया तथा आवश्यकतानुसार सुधार भी कराया गया। कई मामलों में अभ्यर्थियों के पंजी में ऐसे व्यय पाए गए जो वेरिफिकेशन टीम द्वारा अंकित किए गए एस ओ आर में मौजूद थे, किंतु अभ्यर्थियों ने उन्हें व्यय पंजी में दर्ज नहीं किया था। ऐसे अलेखापित व्ययों का मिलान कराकर उन्हें पंजी में शामिल कराया गया।

निर्वाचन संबंधी व्यय लेखा की प्रक्रिया को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने अभ्यर्थियों को निर्देश दिया कि किए गए व्यय की प्रविष्टि में किसी प्रकार की चूक या विसंगति न हो। क्योंकि व्यय सीमा के उल्लंघन की स्थिति में अभ्यर्थिता रद्द किए जाने तक की कार्रवाई संभव है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य चुनाव को धनबल के अनुचित प्रभाव से मुक्त रखते हुए समतामूलक एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करना है।

व्यय प्रेक्षक धीरज कुमार गुप्ता ने कहा कि सभी अभ्यर्थियों को नियमित रूप से अपने व्यय लेखा को अद्यतन करना आवश्यक है, ताकि चुनाव आयोग के निदेर्शों का पूर्ण पालन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि मिलान की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात अद्यतन व्यय पंजी को आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। इससे निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा और अभ्यर्थियों के खर्च की स्थिति जनता के समक्ष उपलब्ध रहेगी।

जिले के निर्वाचन विभाग ने आशा व्यक्त की है कि आगे भी सभी अभ्यर्थी व्यय लेखांकन से संबंधित नियमों का अनुपालन पूरी तत्परता से करेंगे तथा निष्पक्ष चुनाव की दिशा में सहयोग देंगे। बक्सर जिला प्रशासन के अनुसार व्यय लेखा संबंधित समीक्षा और मिलान का यह चरण सुचारू ढंग से सम्पन्न हुआ तथा शेष प्रक्रिया समय-सीमा के अंदर पूरी कर ली जाएगी।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

डुमरांव में सीएम नीतीश कुमार की चुनावी सभा आज, तैयारियों का काम अंतिम चरण में

केटी न्यूज/डुमरांव

विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, राजनीतिक गतिविधियां भी तेज होती जा रही हैं। वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों के कार्यक्रम लगातार आयोजित हो रहे हैं। इसी क्रम में डुमरांव विधानसभा सीट से एनडीए घटक दल जदयू के उम्मीदवार राहुल सिंह के समर्थन में शनिवार 25 अक्टूबर 2025 को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार डुमरांव में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। उनके आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री का कार्यक्रम राज हाई स्कूल के खेल मैदान में निर्धारित है, जहां वे पूर्वाह्न 11 बजकर 55 मिनट पर पहुंचेंगे तथा दोपहर 12 बजकर 55 मिनट पर प्रस्थान करेंगे। सभा स्थल पर विशाल जनसमूह को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व व्यवस्थान के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उनके लिए विशाल मंच तैयार किया गया है और सुरक्षा हेतु बैरिकेडिंग की गई है। शुक्रवार को डीएम डॉ विद्यानंद सिंह, एसपी शुभम आर्य और डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर तैयारियों का निरीक्षण किया। साथ ही एसडीपीओ और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने उस स्थान की पहचान की जहां हेलिपैड बनाया जा रहा है। पास में मौजूद सूखे पेड़ को कटवाने और सुरक्षा में किसी भी तरह की बाधा को दूर करने का निर्देश दिया गया।

छठ घाट पर जीविका दीदियां उतरीं मतदाता जागरूकता अभियान में

दीप प्रज्वलन कर दिया संदेशरू पहले मतदान, फिर त्योहार

केटी न्यूज/सिमरी

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर बक्सर जिले में मतदाता जागरूकता के लिए निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्वीप कोषांग, बक्सर के निर्देशन में चल रहे जागरूकता अभियान के क्रम में शुक्रवार को सिमरी प्रखंड के केशोपुर पंचायत स्थित केशोपुर गांव में जीविका की दीदियों ने अनोखे तरीके से लोकतंत्र का संदेश दिया। छठ पर्व की पावन आस्था के बीच जीविका दीदियां छठ घाट पर दीप प्रज्वलित कर मतदान के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करती नजर आईं। दीपों से जगमगाते घाट पर दीदियों ने मतदान को लोकतंत्र का महान पर्व बताते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक का मत अमूल्य है। महिलाओं और युवाओं को विशेष रूप से संबोधित करते हुए उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। दीदियों का कहना था कि लोकतंत्र में लोगों की भागीदारी ही उसके सशक्त होने का आधार है। कार्यक्रम के दौरान जीविका दीदियों ने आकर्षक नारों के माध्यम से मताधिकार के प्रति जागरूकता फैलायी। उनका संदेश था कि दीप जलाएं लोकतंत्र के नाम, वोट डालें बढ़ाएं देश का मान, तथा पहले मतदान, फिर त्योहार, यही है सच्चा उपहार। इन नारों ने उपस्थित महिलाओं, युवतियों और ग्रामीणों में मतदान के प्रति उत्साह जगाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि छठ पर्व जैसे आस्था से जुड़े अवसर पर इस तरह का अभियान लोगों के मन पर सीधा प्रभाव डालता है। जीविका दीदियों की पहल से गांव का माहौल मतदाता जागरूकता से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम के दौरान कई महिलाएं आगामी चुनाव में पहली बार मतदान करने के संकल्प के साथ नजर आईं। स्वीप कोषांग बक्सर द्वारा इस प्रकार के नवाचारपूर्ण आयोजन से जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि लक्ष्य 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करना है और इस मिशन में समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा है। छठ घाट पर आस्था के दीपों के संग लोकतंत्र की रोशनी जगाने के इस अभियान ने न केवल माहौल को प्रज्ज्वलित किया, बल्कि यह संदेश भी स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र की ताकत जनता के वोट में ही निहित है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

डुमरांव में नीतीश कुमार की एंट्री से गर्माएगी सियासत, महिलाओं की बड़ी भागीदारी की उम्मीद

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव की गहमागहमी अब डुमरांव में अपने पूरे शबाब पर दिखनी शुरू हो गई है। एनडीए की ओर से चुनावी अभियान को धार देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को डुमरांव पधार रहे हैं। राज हाई स्कूल मैदान में होने वाली इस विशाल जनसभा के माध्यम से मुख्यमंत्री स्थानीय मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं तक सीधा संदेश पहुंचाने की तैयारी में हैं। जनसभा दोपहर दो बजे प्रस्तावित है। एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन से पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में बिहार को विकास की नई दिशा दी है और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में जो परिवर्तन आया है, उसकी मिसाल पूरे देश में दी जाती है।



जीविका प्रोजेक्ट समेत कई महत्वपूर्ण योजनाओं के जरिये ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक आधार मिला है।

राहुल सिंह का दावा है कि इसी भरोसे और विश्वास के साथ आगामी जनसभा में महिलाओं की भागीदारी अभूतपूर्व रहेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व पर जनता का विश्वास लगातार मजबूत हुआ है और इस चुनाव में भी डुमरांव की जनता एनडीए के प्रति अपना समर्थन प्रदर्शित करेगी।

सभा के मद्देनजर मैदान में मंच निर्माण से लेकर पंडाल और सुरक्षा प्रबंधों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था के लिए विशेष सतर्कता बरतते हुए बड़ी संख्या में मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती की है।

स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह जनसभा डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में एनडीए के प्रचार अभियान को नई गति देगी। मुख्यमंत्री के संबोधन के बाद सियासी समीकरण किस ओर करवट लेगा, इस पर सभी की निगाहें टिकी हैं।



डुमरांव विस में इस बार होगी परंपरा बनाम परिवर्तन की जंग

- डुमरांव की जंग हुई दिलचस्प, तीन दावेदारों में तगड़ा मुकाबला
- जनता किस पर करेगी भरोसा



पीके बादल/केसठ

इस बार का विधानसभा चुनाव डुमरांव में सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि साख और संघर्ष का भी इम्तिहान बन गया है। यहां एक ओर चार बार विधायक रह चुके पुराने खिलाड़ी हैं, तो दूसरी ओर नए चेहरे अपने जनसरोकार और विकास के दावों के साथ मैदान में हैं। यह चुनाव हर उम्मीदवार के लिए चेतावनी और चुनौती दोनों लेकर आया है। विधानसभा चुनाव 2025 में इस बार डुमरांव की सियासत का रंग पहले से कहीं ज्यादा गर्म है। चार बार के पूर्व विधायक, मौजूदा विधायक और एनडीए के उम्मीदवार तीनों ने इस ऐतिहासिक सीट को राज्य के सबसे दिलचस्प मुकाबलों में शामिल कर दिया है। मुकाबला अब त्रिकोणीय हो गया है, और हर उम्मीदवार जनता के दिल में जगह बनाने की जद्दोजहद में जुटा है।

सीपीआईएमएल से मौजूदा विधायक डॉ. अजीत कुशवाहा दोबारा जनता के बीच विकास और जनसंघर्ष के मुद्दे लेकर पहुंचे हैं। पिछली बार अपने जनसंपर्क, संघर्षशील छवि और ग्रामीण वर्ग के समर्थन से जीतने वाले डॉ. कुशवाहा इस बार भी आत्मविश्वास के साथ कह रहे हैं जनता विकास देख चुकी है, इस बार भी भरोसा कायम रहेगा।

वहीं, चार बार विधायक रह चुके ददन यादव उर्फ ददन पहलवान भी इस बार फिर मैदान में हैं। उनका कहना है कि डुमरांव की असली पहचान मेहनतकश जनता है, जिसे सिर्फ अनुभव ही समझ सकता है। यादव समुदाय में उनकी लोकप्रियता अब भी काफी मजबूत है, जो उन्हें इस चुनाव में निर्णायक बढ़त दे सकती है। उनकी जमीनी पकड़ और जनता से सीधा जुड़ाव कई क्षेत्रों में अब भी स्पष्ट दिखता है।

उधर, एनडीए की ओर से जेडीयू उम्मीदवार राहुल सिंह पूरे दमखम के साथ मैदान में हैं। वे लगातार जनसभाओं में दावा कर रहे हैं कि इस बार लड़ाई में कोई नहीं है, जनता ने मन बना लिया है, डुमरांव में एनडीए की जीत तय है। राहुल सिंह के आने से सियासी समीकरणों में बड़ा बदलाव आया है और अब त्रिकोणीय टक्कर बन गई है। डुमरांव विधानसभा में विकास, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, युवाओं का पलायन और शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दे इस बार मतदाताओं के बीच सबसे अहम हैं। जनता अब वादों से ज्यादा काम पर भरोसा करना चाहती है।राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, डुमरांव की यह लड़ाई बिहार की सबसे रोचक सीटों में शामिल हो चुकी है। यहां अनुभव, संघर्ष और संगठन शक्ति के बीच सीधी टक्कर है। विश्लेषकों का कहना है कि यह सीट पूरे बक्सर जिले की सियासी दिशा तय करेगी। एक ओर पुराना जनाधार और अनुभव है, तो दूसरी ओर संगठन और रणनीति। किस पर जनता भरोसा जताती है, यह तय करेगा कि डुमरांव परंपरा को चुनेगा या परिवर्तन को। इस बार का चुनाव निश्चित रूप से चेतावनी भी है और अवसर भी हर उम्मीदवार के लिए, हर मतदाता के लिए। परिणाम जो भी हो, लेकिन मुकाबला इस बार बेहद दिलचस्प और संघर्षपूर्ण होने वाला है।

डुमरांव का मैदान इस बार परंपरा बनाम परिवर्तन की ऐतिहासिक जंग होने वाली है।

किला मैदान में उमड़ा जनसैलाब, बोले अमित शाह मोदी सरकार में देश सुरक्षित

- एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में गृहमंत्री ने की जोरदार अपील, कहा बक्सर की रफ्तार को फिर देना होगा धार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर विधानसभा चुनाव में राजनीतिक पारा तेजी से चढ़ चुका है। इसी क्रम में शुक्रवार को बक्सर के ऐतिहासिक किला मैदान में भारत के गृहमंत्री सह सहकारिता मंत्री अमित शाह की विशाल आम सभा ने माहौल को पूरी तरह चुनावी रंग में रंग दिया। जनसैलाब से सराबोर इस मैदान में लोगों की भारी उपस्थिति यह संकेत देती दिखी कि बक्सर में इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है।

आम सभा की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की, जबकि संचालन जदयू जिलाध्यक्ष अशोक सिंह यादव द्वारा किया गया। मंच पर एनडीए के सभी प्रमुख उम्मीदवार मौजूद थे। बक्सर से भाजपा प्रत्याशी आनंद मिश्रा, राजपुर से जदयू प्रत्याशी संतोष कुमार निराला, डुमरांव से जदयू के राहुल सिंह, ब्रह्मपुर से लोजपा प्रत्याशी हुलास पांडेय तथा शाहपुर (आरा) से भाजपा के राकेश ओझा सभा के दौरान कार्यकताओं का अभिवादन स्वीकार करते नजर आए।

सभा में लोजपा जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह, रालोमो जिला अध्यक्ष विंध्याचल सिंह कुशवाहा तथा हम पार्टी के जिला अध्यक्ष बलिराम कुशवाहा सहित कई अन्य गणमान्य राजनीतिक नेता भी उपस्थित रहे।



एनडीए प्रत्याशियों का माल्यार्पण कर किया सम्मान

स्वागत भाषण देते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने सभी प्रत्याशियों को माला और अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश विकास की नई बुलंदियों को छू रहा है। उनके नेतृत्व में बिहार और विशेष कर बक्सर का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। भुवन ने विश्वास व्यक्त किया कि विधानसभा चुनाव में जनता एनडीए प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाएगी।

प्रत्याशियों ने विकास और सुरक्षा को बताया प्राथमिकता

एनडीए प्रत्याशियों ने अपने संबोधन में क्षेत्र के विकास का खाका रखा। उनकी प्राथमिकताएं शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित रहीं।

बक्सर से भाजपा प्रत्याशी आनंद मिश्रा ने कहा कि बिहार और केंद्र में डबल इंजन की सरकार चल रही है। इसलिए शाहाबाद के चारों ओर विकास की गंगा बहाने के लिए एनडीए प्रत्याशियों को विजयी बनाना आवश्यक है। उन्होंने स्वयं को जनता का सेवक बताते हुए कहा कि वह 24 घंटे जनता के लिए उपलब्ध रहेंगे।

अमित शाह के संबोधन पर टिकी रही निगाहें

सभा का मुख्य आकर्षण माननीय गृहमंत्री अमित शाह का उद्बोधन रहा। मंच पर पहुंचते ही कार्यकताओं और समर्थकों ने नारेबाजी के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उत्साहित भीड़ को देख शाह भी जोश से भरे दिखे।

उन्होंने कहा कि बक्सर एक पवित्र नगरी है, जहां भगवान श्रीराम ने गुरुकुल शिक्षा ली थी। यह धरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की अनमोल पहचान रखती है।

अमित शाह ने कहा कि बिहार में कुछ क्षेत्रों में विकास की गति धीमी पड़ी है, जिसे रफ्तार देने की जिम्मेदारी अब बक्सर की जनता के हाथ में है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बक्सर से आनंद मिश्रा, राजपुर से संतोष निराला, डुमरांव से राहुल सिंह, ब्रह्मपुर से हुलास पांडेय और शाहपुर से राकेश ओझा को विजयी बनाकर एनडीए की सरकार को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश पूरी तरह सुरक्षित है और विकास की यात्रा लगातार आगे बढ़ रही है।

चारों विधानसभाओं से उमड़े रहे समर्थकों के हुजूम

सभा स्थल पर सभी चारों विधानसभाओं से भाजपा और एनडीए समर्थकों का भारी जनसमूह पहुंचा। पुरुष, महिला और युवा वोटरों की उपस्थिति यह दशार्ती रही कि चुनावी मैदान में एनडीए पूरी तैयारी के साथ उतर चुका है।

ऐतिहासिक किला मैदान में आयोजित यह आम सभा चुनावी रण में एनडीए की ताकत का स्पष्ट प्रदर्शन मानी जा रही है। अब बक्सर की जनता यह तय करेगी कि इस विकास के बिगुल की गूंज कितनी दूर तक सुनाई देगी।

एक नजर

चुनाव से पूर्व पिस्टल व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस

डुमरांव। नया भोजपुर थाने की पुलिस ने गुरूवार की रात थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर के समीप स्थित एक रेस्टुरेंट के पास से एक युवक को पिस्टल तथा चार कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आवश्यक पूछताछ के बाद शुक्रवार को उसे जेल भेज दिया गया है।

गिरफ्तार युवक की पहचान पुराना भोजपुर गांव निवासी पवन कुमार सिंह पिता स्व. उमाशंकर सिंह के रूप में हुई है। उसे जेल भेजने के साथ ही पुलिस उसका अपराधिक रिकॉर्ड खंगालने में जुट गई है।

इस संबंध में नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि भोजपुर ढाबा फेमिली रेस्टुरेंट के समीप एक युवक अवैध असलहे के साथ घुम रहा है तथा वह किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में लगा है।

इस सूचना पर एक टीम गठित कर तत्काल छापेमारी की गई। इस दौरान वह पुलिस को देख भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे दौड़ाकर पकड़ लिया गया है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल तथा चार कारतूस मिले है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस मुश्तैद है तथा हर दिन थाना क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है।\

लोक अस्था के पर्व को लेकर नगर परिषद ने घाटों को तैयार करने में झोकी अपनी ताकत

न्यूज। आस्था के महापर्व छठ की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में कुल 18 प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था का कार्य जोर-शोर से किया जा रहा है। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) राहुलधर दुबे ने सभी घाटों का स्वयं निरीक्षण किया और जहां कमी पाई गई, वहां तुरंत सुधार के निर्देश दिए।

नगर परिषद द्वारा सभी घाटों पर बैरकेटिंग, लाइटिंग, और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ईओ ने बताया कि छठ पर्व 25 अक्टूबर 2025 से नहाय-खाय के साथ प्रारंभ होगा जिसको लेकर नगर प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।

सुरक्षा की दृष्टि से नगर क्षेत्र के तीन प्रमुख घाटों–छठीया पोखर, सूरत राय और जंगली शिवजी मंदिर तलाब पर लाइफ जैकेट से लैस गोताखोरों की तैनाती की जा रही है। कुल 10 गोताखोरों की व्यवस्था की गई है, जो नाव पर सवार रहकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही घाटों पर कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाएगा, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके। नप ईओ ने बताया कि सभी घाटों पर सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। साथ ही माइकिंग सिस्टम की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि भीड़-भाड़ के बीच श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी दी जा सके और व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

ईओ राहुलधर दुबे ने बताया कि नया भोजपुर के नवरत्नगढ़ किला छठ घाट की स्थिति पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वहां पर एक छोटा तलाब है, जिसका उपयोग नहीं होता है, जिससे उसका पानी खराब हो गया है। भैंसही नदी के में ज्यादा पानी होने के कारण सभी घाट डूब गए हैं। ऐसे छोटा तलाब सहारा बना हुआ है, उसमें का पानी गंदा होने के कारण उसे निकालकर नया पानी भरने के निर्देश जेई को दिए गए हैं। नगर परिषद का दावा है कि इस बार छठ पर्व पर सभी घाटों को न केवल स्वच्छ बल्कि आकर्षक रूप में सजाया जाएगा। घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था से श्रद्धालुओं को शाम के अर्घ्य के समय किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। बताया गया कि पहला अर्घ्य 27 अक्टूबर को दिया जाएगा। इसके लिए सभी घाटों पर तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। प्रशासन द्वारा अपील की गई है कि श्रद्धालु सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें और निर्धारित स्थानों पर ही पूजा-अर्चना करें, ताकि यह महापर्व शांति, सुरक्षा और श्रद्धा के वातावरण में संपन्न हो सके।

दिवान के बड़का गांव में छठ की रंग-छटा

- विद्यालय परिसर में छात्रों ने परंपरा और संस्कृति की अद्भुत छटा बिखेरी

केटी न्यूज/बक्सर

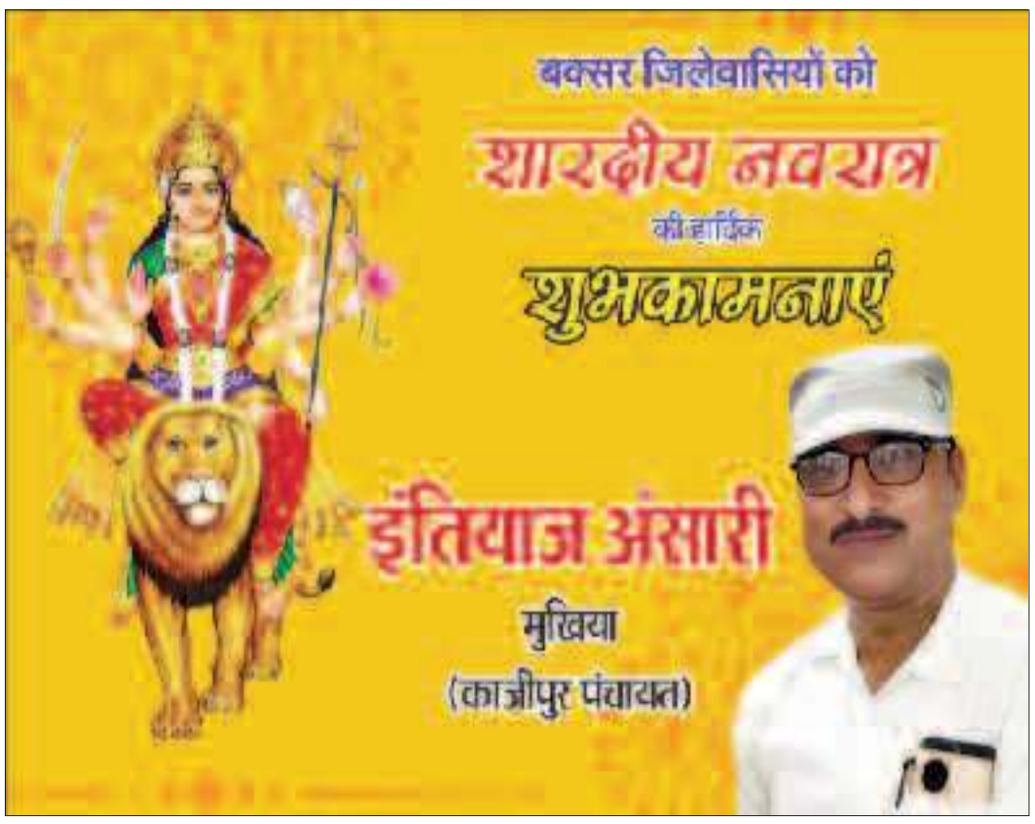
बक्सर जिले के इटाढ़ी प्रखंड अंतर्गत दिवान के बड़का गांव स्थित लक्ष्मी नारायण पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को छठ पर्व की झलक से पूरा वातावरण उल्लास और भक्तिभाव से सराबोर हो उठा। स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत आकर्षक झांकियों और लोकगीतों से सुसज्जित यह कार्यक्रम विद्यालय परिसर में धर्म, संस्कृति और कला का अनूठा संगम साबित हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के निदेशक सुनील कुमार तथा प्राचार्य विनोद कुमार सिंह के मार्गदर्शन में हुआ। छठ महापर्व बिहार की आस्था और पहचान है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए छात्राओं ने पारंपरिक परिधान धारण कर छठव्रती माताओं की भूमिका निभाई। सजाए हुए डाला, फल-फूल और जल से भरे कलश के साथ नन्हें कलाकारों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने का दृश्य सजीव तरीके से प्रस्तुत किया। सभी प्रतिभागी अपनी ऊर्जा, भावाभिव्यक्ति और नृत्य-भंगिमा से दर्शकों का मन मोहते रहे। विद्यालय का प्रत्येक कोना छठ के लोकगीतों की पवित्र गूंज से गूंजायमान होता रहा। ह्यकेलवां के पात पर उगेलन सूरज देवह्ण तथा ह्यकांच ही बांस के बहंगियां, बहंगी लचकत जाएह्ण जैसे लोकप्रिय छठ गीतों का मधुर स्वर कानों में जैसे सीधे धार्मिक आस्था का संचार कर रहा था। स्कूल परिसर में उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय ग्रामीणों ने भी तालियों की गड़गड़ाहट से बच्चों के उत्साह में वृद्धि की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक निलेश कुमार, कुंदन कुमार, सतेन्द्र कुमार, चंदन कुमार, अक्षय सिंह तथा समस्त शिक्षिकाओं ने अपने मार्गदर्शन और सजग अनुशासन से कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच पर नन्हें कलाकारों द्वारा जीवंत झांकी प्रस्तुति की गई, जिनमें वर्षा कुमारी, सृष्टि कुमारी, संध्या कुमारी, सोनम कुमारी, निहारिका कुमारी, वंदना कुमारी, प्रिया कुमारी, खुशी कुमारी, काव्या कुमारी, आदित्य ठाकुर, आलोक पाठक, दुर्गेश कुमार और अमृतेश कुमार समेत कई छात्रों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी दर्ज की। विद्यालय प्रशासन का मानना है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए। संस्कार, सामाजिक जुड़ाव और सांस्कृतिक पहचान का निर्वाह भी विद्यालयी शिक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी है।

जीविका दीदियों ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के लक्ष्मी जीविका महिला ग्राम संगठन, कुलमनपुर के तत्वावधान में शुक्रवार को मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व जीविका मित्र मंजू द्विवेदी ने किया।अभियान के दौरान जीविका दीदियों ने गांव-गांव घूमकर घर-घर संपर्क किया और 18 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं को मतदान के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लोगों से अपील की कि 6 नवंबर को होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के दिन अपने सभी कार्यों को छोड़कर पहले मतदान करें, ताकि लोकतंत्र के इस महापर्व को सफल बनाया जा सके।जीविका दीदियों ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नारे भी लगाए पहले मतदान, फिर जलपान और लोकतंत्र की शान है, मतदान महान है।अभियान के दौरान महिलाओं और पुरुषों को निश्चित रूप से मतदान करने की शपथ भी दिलाई गई।

मौके पर अनिता कुमारी, सरस्वती देवी, कंचन कुमारी, धर्मशीला देवी, देवंती देवी, रीता कुमारी, गीता देवी, सुप्रिया कुमारी, निर्मला देवी समेत कई जीविका दीदियां मौजूद रहीं।



बक्सर में महागठबंधन की रणनीतिक बैठक संपन्न, नेताओं ने एकजुटता पर दिया जोर

- अजय राय ने कहा बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी तो बदलेगी देश की राजनीतिक फिजा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय की अध्यक्षता में शुक्रवार को बक्सर विधानसभा महागठबंधन की बैठक शहर स्थित एक निजी रिजॉर्ट में आयोजित की गई। इसमें महागठबंधन के घटक दलों के जिला, प्रखंड, पंचायत तथा बूथ स्तर के पदाधिकारियों सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव में समन्वय स्थापित करते हुए महागठबंधन उम्मीदवार को मजबूत बनाना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त प्रभारी तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में यदि महागठबंधन की सरकार बनी तो इसका व्यापक राष्ट्रीय असर देखने को मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि राज्य में वर्तमान व्यवस्था को जनता पसंद नहीं कर रही है और बदलाव की आकांक्षा बढ़ रही है।



बक्सर लोकसभा सांसद सुधाकर सिंह ने बैठक में कहा कि यह चुनाव महागठबंधन के लिए निर्णायक संघर्ष है। सभी दलों के कार्यकताओं का लक्ष्य तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाना और बक्सर सहित चारों विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करना होना चाहिए। उन्होंने बूथ स्तर पर मजबूत तैयारी की आवश्यकता दोहराई।

कांग्रेस समर्थित महागठबंधन प्रत्याशी संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी ने बताया कि वह पिछले 37 वर्षों से सामाजिक सेवा में सक्रिय रहे हैं और स्थानीय जनता से निरंतर जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि जीत मिलने पर जनता ने जो उम्मीद जताई है, उस पर खरा उतरने का कार्य प्राथमिकता होगा।

बैठक में वक्ताओं ने साझा रूप से कहा कि गठबंधन की सभी इकाइयों और कार्यकताओं ने संगठनात्मक मजबूती से चुनाव लड़ने का संकल्प लिया है। संबोधित करने वालों में जिला राजद अध्यक्ष शेषनाथ यादव, सीपीएम जिला सचिव प्रभस सिंह, वीआईपी अध्यक्ष अनिल चौधरी, सीपीआई के पूर्व सांसद तेज नारायण यादव, माले नेता नवीन समेत कई राजनीतिक प्रतिनिधि शामिल थे।

मंच का संचालन डॉ. प्रमोद ओझा ने किया जिन्होंने 6 नवंबर को अधिकतम मतदान सुनिश्चित कर गठबंधन प्रत्याशियों को विजय दिलाने की अपील की। कार्यक्रम का समापन किसान कांग्रेस अध्यक्ष संजय कुमार पांडेय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



सुभाषितम्

जो अप्राप्त वस्तु के लिए चिंता नहीं करता और प्राप्त वस्तु के लिए सम रहता है, वह संतुष्ट कहा जा सकता है।- महोपनिषद

एसआईटी ने सॉफ्टवेयर के जरिए हो रही वोट चोरी का खोला राज

कर्नाटक की आलंद विधानसभा सीट पर हुए वोट चोरी मामले ने केंद्रीय चुनाव आयोग और भारतीय लोकतंत्र की नींव को हिलाकर रख दिया है। कर्नाटक की एसआईटी जांच में यह खुलासा हुआ है, केंद्रीय चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर और डाटा सेंटर के जरिये सुनियोजित और मनवांछित तरीके से मतदाताओं के नाम डिलीट किए गए। अभी तक केंद्रीय चुनाव आयोग यह कहता रहा है, कि उसकी चुनाव प्रक्रिया में जो भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और सॉफ्टवेयर उपयोग में लाये जा रहे हैं उन्हें ना तो हैक किया जा सकता है ना ही किसी तरह का दुरुपयोग संभव है। इन दावों के बीच पहली बार एसआईटी की जांच में चुनाव आयोग में हो रही गड़बड़ी उजागर हुई है। यह किसी एक राज्य या चुनाव क्षेत्र की समस्या नहीं है। इस गड़बड़ी ने पूरी चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी पर गहरा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों और खुलासों के बाद कर्नाटक सरकार ने मतदाता सूची में हुई गड़बड़ियों को लेकर एसआईटी गठित की। उस समय किसी को उम्मीद नहीं थी, चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर के जरिए ही इन सारी गड़बड़ियों को अंजाम दिया जा रहा है। जांच में सामने आया है, कि प्रति वोट डिलीट करने के लिए 80 रुपये का भुगतान डाटा एंट्री ऑपरेटर को किया जा रहा था। सॉफ्टवेयर चुनाव आयोग द्वारा तैयार कराया गया था। इसमें ऑनलाइन डाटा डिलीट करने की सुविधा थी। सॉफ्टवेयर में जो ओटीपी की सुविधा थी, वह ऐसे नंबरों पर भेजी गई जो फर्जी थे। जिन लोगों के नाम काटे गए, उनके मोबाईल फोन नंबर नहीं थे, ना ही उन्हें मतदाता सूची से नाम कटने की जानकारी थी। लोकतंत्र के सबसे पवित्र वोट देने के अधिकार सॉफ्टवेयर के जरिए सुनियोजित रूप से अपराध को अंजाम देकर लोगों के मतदाता अधिकार छीन लिए गए। यह सब किसी लोकल नेटवर्क या छोटे स्तर का अपराध नहीं था। यह सब संगठित साइबर ऑपरेशन के माध्यम से किया गया अपराधिक कृत्य था। सबसे गंभीर तथ्य यह है, एसआईटी की जांच में यह पूरा नेटवर्क पूर्व भाजपा विधायक सुभाष गुट्टेदार से जुड़ा पाया गया है। एसआईटी ने पूर्व विधायक के घर और दफ्तर से सात लैपटॉप, कई मोबाइल फोन और वोटर लिस्ट बरामद की हैं। जाँच मे पता चला है, 75 मोबाइल नंबरों से चुनाव आयोग के पोर्टल पर वोटर्स को डिलीट करने का प्रयास किया गया। मात्र 24 वोटर जिनके नाम हटाए गए थे वह सही थे बाकी 5000 से अधिक नाम जो हटाए गए थे, उसके बारे में मतदाताओं को भी पता नहीं था। ध्यान देने वाली बात है, कि राहुल गांधी ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया था, कि जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए थे वह सभी कांग्रेस समर्थक थे। इसके साथ ही सबसे बड़ा सवाल चुनाव आयोग की भूमिका पर खड़ा हो गया है। चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर से बाहर के डाटा सेंटर को चुनाव आयोग के पासवर्ड और सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी किस तरह से लगी। डाटा सेंटर को जानकारी देने वाले लोग कौन थे। यह जानकारी चुनाव आयोग के ही अंदर से दी गई है? चुनाव आयोग के सहयोग के बिना इस तरह की गड़बड़ी नहीं हो सकती है। चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली इतनी कमजोर है? कोई भी डेटा ऑपरेटर चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर के जरिए मतदाता सूची में हेराफेरी कर सकता है? ऐसी स्थिति में चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता कैसे सुरक्षित रह पाएगी? कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया है। यह कहना गलत नहीं है। वोट चोरी का यह मामला केवल कर्नाटक तक सीमित नहीं है। पिछले 2 साल में जिन राज्यों में चुनाव हुए हैं। वहां पर भी इसी तरह के आरोप हैं। चुनाव आयोग सभी राजनीतिक दलों एवं भविष्य में देश के लिए यह एक चेतावनी भी है। डिजिटल युग में साइबर धांधली के माध्यम से चुनाव जीतने का नया हथियार चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर बन चुके हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर की कृपा बुद्धि से ही प्राप्त होती है

योग में आसन, प्राणायाम, मुद्रा और आहार-विहार आदि पर तो बहुत शोध हुए हैं, अब ध्यान और मुद्रा की बारी है। इस विधा के अनुसार शांत मस्तिष्क ऊर्जा का केंद्र है तो निर्मल मन शांति और स्थिरता का। शास्त्रों में इन केंद्रों की उपमा ब्रह्मलोक और क्षीर सागर से दी गई है। मस्तिष्क या खोपड़ी में जहां दिमाग माना जाता है वहां एक केंद्र की कल्पना की गई है। इस केंद्र को ब्रह्मकेंद्र कहते हैं। ब्रह्मरंध अर्थात मस्तिष्क का मध्यबिन्दु। ब्रह्माण्ड के मध्य में ब्रह्मलोक माना गया है और ब्रह्मरंध्र मस्तिष्क में है। जीव और ब्रह्म के बीच अति महत्वपूर्ण आदान-प्रदान का माध्यम यही है। पृथ्वी भी मनुष्य की तरह अंतग्रही आदान प्रदान से समृद्ध होती रहती है। उससे सूक्ष्म आवश्यकताओं की पूर्ति के साधन जुटते रहते हैं। इस आदान-प्रदान का केन्द्र द्वार ध्रुव है। ठीक इसी प्रकार मस्तिष्क का मध्य केन्द्र ब्रह्मरंध्र सहस्रार कमल है। यह जितना सशक्त या दुर्बल होता है उसी अनुपात में जीवन को ब्रह्मसत्ता के अनुदान पाने की सम्भावना बढ़ती है। अन्तर्जगत के इस ब्रह्मलोक की अमृत वर्षा का लाभ लेने के लिए खेचरी मुद्रा का साधन बताया गया है । ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त का साधन बताया गया है। ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त से बैठकर जीभ के अगले भाग को तालु मूर्धा से लगाया जाता है। सहलाने जैसे मन्द-मन्द स्पन्दन पैदा किये जाते हैं। उस उत्तेजना से सहस्र दल कमल की प्रसुप्त स्थिति जागृति में बदलती है। यह खेचरी मुद्रा है। इस स्तर पर अनुभव होने वाले उपादानों का वैज्ञानिक विश्लेषण अभी बाकी है। अध्यात्मविदों के अनुसार यदि भावना और क्रिया का सही समन्वय करके इस साधना को किया जा सके तो चेतना क्षेत्र में आनन्द और कार्य क्षेत्र में उल्लास की उपलब्धि होती है।

बिहार चुनाव: मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

- ललित गर्ग



बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है-जनता के असली मुद्दों की आवाज। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं? बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं। ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आजाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए। बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में ह्यबिहार के विकासह्न की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता। राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है। आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नजरअंदाज करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके।

सूर्यदेव की पूजा का महान पर्व है छठ !

- डॉ श्रीगोपाल नारसन



छठ पूजा का पर्व कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है। इस व्रत में 36 घंटों तक निर्जला रहना पड़ता है। छठ पूजा के दिन सूर्यदेव और षष्ठी मैया की पूजा की जाती है। साथ ही इस दिन शिव जी की पूजा भी की जाती है। इस त्योहार को सबसे ज्यादा बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बंगाल में मनाया जाता है। साथ ही इसे नेपाल में भी मनाया जाता है। इस त्योहार को सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। छठ पूजा के दौरान सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस पूजा में साधक गंगा नदी या फिर जो नदी उपलब्ध हो,उसके जल में स्नान करते हैं। महिलाएं निर्जला व्रत रखकर सूर्य देव और छठी माता के लिए प्रसाद तैयार करते हैं। दूसरे और तीसरे दिन को खरना और छठ पूजा कहा जाता है। महिलाएं इन दिनों एक कठिन निर्जला व्रत रखती हैं। साथ ही चौथे दिन महिलाएं पानी में खड़े होकर उगते सूरज को अर्घ्य देती हैं और फिर व्रत का पारण करती हैं। छठ पूजा का पर्व संतान के लिए रखा जाता है। नहाय खाय से छठ पूजा की शुरूआत होती है। इस दिन व्रती नदी में स्नान करते हैं, इसके बाद सिर्फ एक समय का ही खाना खाया जाता है। छठ का दूसरा दिन खरना कहलाता है। इस दिन भोग तैयार किया जाता है। शाम के समय मीठा भात या लौकी की खिचड़ी खाई जाती है। व्रत का तीसरा दिन दूसरे दिन के प्रसाद के ठीक बाद शुरू हो जाता है। छठ पूजा में तीसरे दिन को सबसे प्रमुख माना जाता है। इस मौके पर शाम के समय भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है और बांस की टोकरी में फलों, ठेकुआ, चावल के लड्डू आदि से अर्घ्य के सूप को सजाया जाता है। इसके बाद, व्रती अपने परिवार के साथ मिलकर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं और इस दिन डूबते सूर्य की आराधना की जाती है। हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के साथ छठ महापर्व का आरंभ हो जाता है, जो सप्तमी तिथि को सूर्य को अर्घ्य देने के साथ समाप्त हो जाता है। इसमें सबसे मुख्य षष्ठी तिथि का माना जाता है। इन दिनों में सूर्य देव की पूजा करने का विधान है। यह पर्व मूलरूप से बिहार, पूर्वांचल में मनाया जाता है। इसके अलावा देश के अलग-अलग राज्यों से लेकर विदेशों में धूमधाम से मनाया जाता है। छठ पूजा को सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है, क्योंकि इस दौरान कठोर नियमों का पालन करने के साथ-साथ करीब 36 घंटे तक माताएं निर्जला व्रत रखती हैं। यह व्रत माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, अच्छे भविष्य, रोग मुक्त जीवन और सुख-समृद्धि के लिए रखती हैं। कार्तिकशुक्ल षष्ठी तिथि के साथ छठ पूजा आरंभ होती है। कार्तिक छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शनिवार, 25 अक्टूबर 2025 को नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। छठ व्रतियों द्वारा खरना पूजन, कार्तिक शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को किया जाना है। इस दिन खरना का प्रसाद ग्रहण करने का विधान है। कार्तिक छठ पूजा 2025 के अनुष्ठानों में छठ घाटों पर सोमवार, 27 अक्टूबर, 2025 को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025को प्रातः बेला में उदीयमान आदित्य देव को प्रातःकालीन अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। इस दिन माताएं दिनभर व्रत रखती हैं और पूजा के बाद गुड़ की खीर खाकर 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ कर देती है।कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को तीसरा दिन होता है, जो छठ का सबसे महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। तीसरे दिन माताएं सूर्यास्त के समय नदी या तालाब पर जाकर सूर्य देव को अर्घ्य देती हैं।महापर्व छठ का आखिरी यानि चौथा दिन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को होता है। इस दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। जिसके बाद माताएं अपना व्रत खोलती हैं और प्रसाद वितरण करती हैं। ये अर्घ्य लगभग 36 घंटे के व्रत के बाद दिया जाता है। इसके बाद व्रती के पारण करने के बाद व्रत का समापन होगा।इस दिन जरूरतमंदों और गरीब लोगों की मदद करनी चाहिए। छठ पूजा का प्रसाद बनाते समय नमकीन वस्तुओं को हाथ नहीं लगाना चाहिए। भगवान सूर्य को स्टील, प्लास्टिक, शीशे, चांदी आदि के बर्तन से अर्घ्य नहीं देना चाहिए। इस दिन गरीब लोगों में खाना बांटा जाए तो छठ माता हर मनोकामना पूरी करती हैं।जो लोग संतान प्राप्ति करना चाहते हैं वो लोग छठ के दिन 108 बार इस मंत्र का जाप करें ऊं ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः जिन लोगों की नौकरी नहीं लग रही है या घर में आर्थिक समस्या आ रही है, वो लोग इस दिन सूर्यदेव के मंत्र ऊं घृणिः सूर्याय नमः का जाप करें। संतान की सुख समृद्धि के लिए इस दिन भगवान सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए और पशु पक्षियों को गेहूं के आटे और गुड़ से बना व्यंजन खिलाना चाहिए। यह पर्व मैथिल,मगध और भोजपुरी लोगो का सबसे बड़ा पर्व है ये उनकी संस्कृति है। छठ पर्व बिहार मे बड़े धुम धाम से मनाया जाता है। ये एक मात्र ही बिहार या पूरे भारत का ऐसा पर्व है जो वैदिक काल से चला आ रहा है और ये बिहार कि संस्कृति बन चुका हैं। यहा पर्व बिहार कि वैदिक आर्य संस्कृति कि एक छोटी सी झलक दिखाता हैं। ये पर्व मुख्यः रुप से ऋषियो द्वारा लिखी गई ऋग्वेद मे सूर्य पूजन, उषा पूजन और आर्य परंपरा के अनुसार बिहार मे यहा पर्व मनाया जाता हैं इस पर्व को छ्ठ, छठ व्रत, छठ, छठी म?इया की पूजा, रनबे माय पूजा, छठ पर्व, डाला छठ भी कहा जाता है।छठ पूजा सूर्य, प्रकृति,जल, वायु और उनकी बहन छठी मइया को समर्पित है ताकि उन्हें पृथ्वी पर जीवन के देवताओ का धन्यवाद कर सके, छठी मैया, जिसे मिथिला में रनबे माय , भोजपुरी में सबिता माई और बंगाली में रनबे ठाकुर कहा जाता है। पार्वती का छठा रूप भगवान सूर्य की बहन छठी मैया को त्योहार की देवी के रूप में पूजा जाता है। यह चंद्र के छठे दिन काली पूजा के छह दिन बाद छठ मनाया जाता है। मिथिला में छठ के दौरान मैथिल महिलाएं, मिथिला की शुद्ध पारंपरिक संस्कृति को दशार्ने के लिए बिना सिलाई के शुद्ध सूती धोती पहनती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस कला को जानने का दिन

- संजय गोस्वामी

हर साल अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस 25 अक्टूबर को मनाया जाता है, 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस कलाकारों और उनके योगदान का सम्मान करता है। यह दिन सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक, पाब्लो पिकासो, जिनका जन्म 25 अक्टूबर, 1881 को हुआ था, उनके सम्मान में कलाकार दिवस मनाया जाता है। पाब्लो पिकासो विपुल रचनाकार, वे मुख्यतः एक चित्रकार थे, लेकिन उन्होंने प्रभावशाली मूर्तिकला, चित्रकला, मुद्रण, चीनी मिट्टी की चीजें और रंगमंचीय डिजाइन के साथ-साथ कविताएँ और कला पर भी लेखन किया।कलाकार अपनी कृतियों को रचने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। वे हमारे आसपास की दुनिया में सुंदरता भरते हैं। ज्यादातर कलाकार कई अलग-अलग माध्यमों से काम करते हैं। इतना ही नहीं, कलाकार शब्द में चित्रकार, फोटोग्राफर, मूर्तिकार, संगीतकार, नर्तक, लेखक, अभिनेता, डिजिटल कलाकार और बहुत कुछ शामिल हैं। जब कोई रचनात्मक प्रतिभा के साथ पैदा होता है, तो उसकी रचनात्मकता कई अलग-अलग क्षेत्रों में प्रवाहित होती है। उदाहरण के लिए, पिकासो एक चित्रकार, मूर्तिकार, सिरेमिक कलाकार, कवि और नाटककार थे। कला रचनात्मक या कल्पनाशील प्रतिभा का उपयोग करके बनाई गई सांस्कृतिक गतिविधि है, जिसमें भावनात्मक शक्ति, तकनीकी दक्षता या सुंदरता की अभिव्यक्ति के माध्यम से एक सार्थक अनुभव उत्पन्न करने की उम्मीद की जाती है। यह एक कौशल है जिसमें शारीरिक और मानसिक दक्षता का उपयोग होता है। कला में चित्रकला, मूर्तिकला, साहित्य, संगीत और नृत्य जैसे विविध रूप शामिल हैं। कला की परिभाषा और महत्व अभिव्यक्ति का माध्यमः कला मानवीय भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। कौशल और कल्पनाः यह कौशल और कल्पना का एक संयोजन है जो विभिन्न रूपों में प्रकट होता है। सांस्कृतिक और भावनात्मक लाभः कला तनाव कम करने, मानसिक शांति देने और भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करती है। यह संस्कृति और परंपराओं को संजोने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भी एक साधन है। कला के प्रकार दृश्य कलाः इनमें चित्रकला, मूर्तिकला, ड्राइंग, फोटोग्राफी और वास्तुकला शामिल हैं। प्रदर्शन कलाः इनमें नृत्य, संगीत, रंगमंच और अभिनय शामिल हैं। साहित्यः इसमें कविता, नाटक और कहानियाँ शामिल हैं। हस्तशिल्पः इसमें उपयोगी और सुंदर वस्तुएँ बनाना शामिल है। कला के तत्व कला के सात मुख्य तत्व हैं: रेखा : विकर्ण, ऊर्ध्वाधर और लहरदार रेखाएं। आकारः द्विविमीय रूप। स्थान : वस्तुओं के बीच और आसपास का क्षेत्र। मूल्य : रंग की हल्कापन या गहरापन। रूप : त्रि-आयामी वस्तुएँ। बनावटः सतह का अनुभव। रंग : रंगों का उपयोग आदि शामिल है । कला का उद्भव लिखित कृतियों से बहुत पहले हुआ था। आदिकाल से ही, कला विचारों का संचार करती रही है और महत्वपूर्ण घटनाओं का अभिलेख रखती रही है। कला अतीत से जुड़ाव प्रदान करती है। कलाकार हमारे इतिहास को अमिट रूप से दर्ज करते हैं। वे सत्य को भी उजागर करते हैं। अपने काम के माध्यम से, वे कहानियाँ सुनाते हैं और परंपराओं को आगे बढ़ाते हैं। कलाकारों के पास अपने आसपास के लोगों से जुड़ने का एक अनूठा तरीका होता है।

आज का राशिफल

मेष कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

वृषभ संपत्ति संबंधी मामलों में सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा कोई विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

मिथुन व्यापार के मामले में योजनाएं बना सकते हैं, भविष्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।

कर्क कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ बोलचाल बढ़ेगी और आपको उनका सहयोग भी प्राप्त होगा।

सिंह आपकी कुछ अधूरी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। लेकिन इसके लिए आपको मेहनत करते रहनी होगी।

कन्या सहकर्मी के साथ कोई विवाद चल रहा था तो अब आपको उससे छुटकारा मिल सकता है।

तुला नौकरी करने वालों के लिए दिन है। कार्यस्थल पर आपके अधिकारों में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक राजनीति के क्षेत्र में आपकी मुलाकात किसी महान व्यक्ति या नेता से हो सकती है।

धनु नए व्यापार को शुरू करने के लिए आप कई योजनाएं बना सकते हैं।

मकर आपको सतर्क रहने की जरूरत है, अन्यथा किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ आपके कुछ पुराने कार्य अटके हुए हैं, तो कुछ बाधाओं और धन खर्च के बाद वे पूरे हो जाएंगे।

मीन आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और व्यापार के मामले में दिन शुभ रहने वाला है।

विशेष

लोकपाल को बीएमडब्ल्यू कार

भ्रष्टाचार की जांच करने वाली देश की सबसे बड़ी संस्था लोकपाल इन दिनों विवादों में घिर गई है। लोकपाल की जिम्मेदारी है, सरकारी धन का सही उपयोग हो। इसका दायित्व और जांच की जिम्मेदारी लोकपाल की है। लोकपाल संस्था जब से बनी है, तब से यह हाथी के दांत की तरह शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। अभी तक एक भी मामले में जांच रिपोर्ट नहीं दी गई है। 3500 से ज्यादा शिकायतें पंजीयत हुई। केवल 24 मामले में जांच के आदेश हुए। शिकायतें तो बड़ी संख्या में हुई है। उन्हें लोकपाल ने पंजीयत ही नहीं किया। लोकपाल के सभी सातों सदस्य बीएमडब्ल्यू कार में चलेंगे। जिसके कारण उनके कामकाज उनकी नियुक्ति को लेकर सारे देश में चर्चा हो रही है। अन्ना हजारे की भी लोग याद करने लगे हैं। लोकपाल बिल को लेकर उन्होंने पूरी संसद को सिर पर उठा लिया था।

डबल इंजन की सरकार, फिर केंद्र से फंड क्यों नहीं

मध्य प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। मध्य प्रदेश कैडर के कई अधिकारी दिल्ली में पदस्थ हैं। मध्य प्रदेश और केंद्र में भाजपा की सरकार है। इसके बाद भी केंद्र से केंद्रीय योजनाओं का पैसा मध्य प्रदेश को नहीं मिल रहा है। मनमोहन सिंह के जमाने में शिवराज सिंह चौहान धरने पर बैठ जाते थे। डबल इंजन की सरकार में अब धरने पर भी बैठने की बात तो बहुत दूर की है। जोर से अपनी बात केंद्र को पहुंचा भी नहीं पा रहे हैं। फंड की कमी का रोना मध्य प्रदेश मे चर्चा का विषय बन गया है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1586: स्काट्स रानी मेरी की मौत की सजा सुनाई गयी। 1794: फ्रांस के खिलाफ युद्ध से रूस हट गया। 1874: ब्रिटेन ने फिजी द्वीप पर कब्जा किया। १९११: ब्रिटेन ने ट्रांसवाल पर अधिकार कर लिया। 1938: लीबिया इटली का हिस्सा बना। 1941: द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी ने सोवियत संघ के खिलाफ जवाबी कार्यवाही की। 1956: मिस्त्र जार्डन और सीरिया ने एकीकृत सैन्य कमान का गठन किया। 1964: अवाडी कारखाने में निर्मित टैंक का नामकरण विजयंत के रूप में किया गया। 1966: इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुबांद्रियो को मौत की सजा सुनाई गयी। 1971: राष्ट्रसंघ ने चीन को सदस्य बनाया। 1986: भारतीय शांति सेना ने उत्तरी श्रीलंका में जाफना शहर पर पूरी तरह से कब्जा किया। 1989: सोवियत संघ के केंद्रीय बैंक ने रूबल के अवमूल्यन की घोषणा की।

दैनिक पंचांग

25 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.46 ब.से
चंद्र	वृश्चिक में	धनु	10.02 बजे से
मंगल	तुला में	मकर	12.07 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.54 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.27 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.57 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.37 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.49 बजे से
राहुकाल		सिंह	01.05 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		कन्या	03.17 बजे से
		तुला	05.27 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 298 वा दिन दिशाशूल पूर्व ऋतु शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्थी 03.49 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 07.52 बजे को समाप्त। **योग** शोभन अहोरात्र। **करण** वणिज 14.35 बजे तदनन्तर विष्टि 03.49 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 03.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 12° 07' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872508 **जूलियन दिन** 2460973.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05

संक्षिप्त समाचार

चेक डैम में डूबने से 12 वर्षीय बच्ची की मौत, कपड़े धोने के दौरान हुआ हादसा

हजारीबाग, एजेंसी। जिला में चौपारण प्रखंड के बहेरा पंचायत अंतर्गत बहेरा गांव में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां 12 वर्षीय राखी कुमारी की शिवाला चेक डैम में डूबने से मौत हो गई। मृतका की पहचान ग्राम बहेरा निवासी चंद्रदेव भुइयां की पुत्री के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, राखी कुमारी दोपहर लगभग एक बजे अपने घर के पास स्थित शिवाला नहर पर कपड़े धो रही थी। इस दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने शोर मचाया और तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचना दी।सूचना मिलते ही चौपारण अंचलाधिकारी संजय यादव और थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने चयकलां से गोताखोरों की टीम बुलवाई, जिन्होंने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बच्ची के शव को पानी से बाहर निकाला। इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शव को कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए बरही भेज दिया गया।

कोडरमा में फिर दिखा हाथियों का झुंड, ग्रामीणों में दहशत

कोडरमा, एजेंसी। जिला में एक बार फिर हाथियों का झुंड देखा गया है। हाथियों के दस्तक ने एक बार फिर ग्रामीणों में भय पैदा कर दी है। बता दें कि 4 माह पहले हाथियों के झुंड ने कोडरमा के जयनगर व मरकच्चो प्रखंड के विभिन्न गांवों में जमकर उत्पात मचाया था। हाथियों के झुंड ने किसानों के फसलों के साथ साथ कई गरीबों के आशियाने उजाड़ दिए थे। साथ ही आधे दर्जन लोगों की जान भी ले ली थी। एक समय ऐसा था जब शाम को या दिन में लोग जंगलों की ओर अपने मवेशी चराने जाने से डरते थे। करीब 4 महीने तक हाथियों के उत्पात मचाने के बाद वन विभाग की टीम ने बड़ी मुश्किल से हाथियों के झुंड को कोडरमा के इलाकों से भगाने में सफलता पाई। एकबार फिर जयनगर के गांवों में हाथियों का झुंड को देखा गया है। जिससे आसपास के ग्रामीणों में दहशत है। कोडरमा के जयनगर थाना क्षेत्र स्थित गड़गी गांव के आसपास करीब 40 हाथियों के एक झुंड को विचरण करते देखे गये हैं। हाथियों के झुंड को देखते ही इसकी खबर आस-पास के इलाके में आग की तरह फैल गयी है और हाथियों के झुंड की खबर सुन ग्रामीण भयभीत हो गए हैं ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी है। वहीं वन विभाग के पहुंचने तक ग्रामीणों द्वारा आग जलाकर हाथियों को भगाने का प्रयास किया गया। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथियों के झुंड को उक्त क्षेत्र से खदेड़ने में जुट गई। बता दें कि धान की फसल तैयार हो चुकी है और अब उसके कटाई का समय आ चुका है। ऐसे में किसानों को यह भय है कि हाथियों का झुंड कहीं उनके फसल को नष्ट न कर दे।

रामगढ़ में दिनहदाड़े दो महिलाओं से चेन की छिनतई, सीसीटीवी में कैद हुई उचक्कों की करतूत

रामगढ़, एजेंसी। जिले में 1 घंटे के अंदर दो अलग-अलग जगहों में दो महिलाओं से सोने की चेन की छिनतई हुई है। बाइक सवार दो उचक्कों ने छिनतई की वारदात को अंजाम दिया है। दोनों मामलों में परिजन और भुक्तभोगी की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इन दोनों छिनतई गैंग का आतंक रामगढ़ शहर में बढ़ गया है। उचक्के दिनदहाड़े महिलाओं से चेन छिनतई की वारदात को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। पहली घटना रांची रोड के बसंत विहार कॉलोनी के समीप भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई है। जहां बाइक सवार उचक्कों ने महिला के गले से सोने का चेन झपट्टा मार कर उड़ा दिया। हालांकि आधा चेन टूटकर वहीं गिर गया। भुक्तभोगी उस आधे टुकड़े को लेकर रामगढ़ थाना पहुंचीं और लिखित शिकायत दर्ज कराई है। ठीक उसी समय एक बुजुर्ग थाने पहुंचे और उन्होंने भी छिनतई का लिखित शिकायत पुलिस से की है। उन्होंने पुलिस को बताया कि बिजुलिया सांत्वना शरण जाने वाले रास्ते में रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद के आवास के गेट के सामने उनकी पत्नी से बाइक सवार दो उचक्के सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। दोनों जगह पर जब सीसीटीवी कैमरे का मिलान किया तो दोनों जगह पर एक ही हुलिया के छिनतई गैंग सदस्य नजर आये। कैलाश चंद्र शर्मा ने पुलिस को दिए गए आवेदन में बताया है कि वे पत्नी के साथ अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो उचक्के पहुंचे और पीछे चल रही पत्नी रंजना देवी के गले से झपटा मारकर सोने की चेन की छिनतई कर फरार हो गए। वहीं चेन छिनतई की शिकार बबीता ने बताया कि वह पूजा के लिए बेटी के साथ जा रही थी। इस दौरान बाइक सवार दो लड़के हमारा पीछा कर रहे थे। जहां पूजा हो रही थी वहां भीड़भाड़ थी। इस क्रम में अचानक बाइक सवार युवकों ने झपट्टा मारकर गले से सोने का चेन उड़ा लिया। इस दौरान चेन का आधा हिस्सा टूटकर वहीं गिर गया। वहीं भुक्तभोगी महिला बबीता की बेटी प्रियांशी प्रिया ने बताया कि बाइक सवार युवक जब आगे-पीछे कर रहे थे तो उन लोगों को काफी डर लग रहा था। इस दौरान हम लोगों ने उन्हें टोका भी, लेकिन वे निडर होकर हमारा पीछा कर रहे थे।

धनबाद की मंडी में छठ की धूम, विदेशी फलों से गुलजार होगा बाजार



धनबाद, एजेंसी। लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर बाजार भी तैयार है। बाजार समिति बरवाअड्डा में राज्य के अलग अलग जिलों के कारोबारियों का जुटान बढ़ गया है। बुधवार को मंडी में फल व खाद्यान्न कारोबारियों की संख्या सामान्य दिनों से काफी अधिक रही। मंडी के थोक फल व खाद्यान्न कारोबारियों की मानें तो महापर्व छठ में 200 ट्रक फल व खाद्यान्न की बिक्री होगी। गुरुवार को बाजार समिति मंडी से पूरे दिन में करीब 40 गाड़ियां फल व खाद्यान्न अलग-अलग जिलों में भेजे गए। इसकी संख्या शुक्रवार व शनिवार को और बढ़ेगी, ऐसा कारोबारियों का अनुमान है।

मंडी के थोक केला कारोबारी धीरज कुमार ने बताया कि छठ को लेकर फलों की आवक बढ़ गई है। छठ में मंडी में करीब 100 ट्रक केला की खपत का अनुमान है।

मंडी में अभी बंगाल का चीनीया केला आ रहा है। केला की थोक कीमत 150 रुपए से 350 रुपए प्रति घवद है। सेब के थोक कारोबारी मुनमुन केशरी व गोपाल बर्णवाल ने बताया कि छठ को लेकर चार दिनों में ही फल और खाद्यान्न से भरे लगभग 200 गाड़ियां मंडी पहुंचेगी।

नारियल कारोबारी अमित कुमार और नवीन केशरी ने बताया कि आंध्र प्रदेश से नारियल की बड़ी खेप मंडी पहुंच गई है। मंडी से जिलों में नारियल भेजे जाने का सिलसिला शुरू हो गया है।

थोक में नारियल प्रति पीस 12-20 रुपए में बिक रहा है। मंडी में करीब 15 ट्रक नारियल, 15 ट्रक संतरा, पांच ट्रक डाभ के पहुंचने की उम्मीद है। मंडी में सेब की आवक 20 ट्रक की होगी। कारोबारी आयुष कुमार ने बताया कि पारंपरिक फलों के साथ-साथ कुछ इंपोर्टेड फल भी मंगाए जा रहे हैं। जिसमें आलूबुखारा और बड़े दाने वाले लाल अंगूर जैसी कई किस्में शामिल हैं। जिनकी कीमत अन्य फलों की तुलना में थोड़ी अधिक होगी।

वहीं जिला खाद्यान्न समिति के अध्यक्ष विनोद कंधवे ने बताया कि खाद्यान्न की करीब 70 गाड़ियां मंडी आएंगी। इसमें 10 ट्रक रिफाइंड, 10 ट्रक अरवा चावल, 30 ट्रक गुड़, 10 ट्रक गेहूं तथा 5 ट्रक ड्राईफ्रूट्स शामिल हैं।

तेल व घी के थोक कारोबारी सुरेश कुमार ने बताया कि घी की खपत दोगुनी से अधिक हो गई है। वहीं, छठ में गुड की मांग भी बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि मंडी में 20 गाड़ी तेल व घी की बिक्री होने की उम्मीद है। चावल के थोक कारोबारी संदीप साव ने बताया कि मंडी में छठ के लिए बिहार से विशेष रुप से बढ़िया क्वालिटी की चावल मंगाया गया है।

मंडी के सचिव भी ले रहे जायजा : बाजार समिति के पणन सचिव विपुल कुमार सिंह ने बताया कि छठ पूजा के लिए कारोबारी बड़े-बड़े आर्डर देकर फल व खाद्यान्न मंगवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाजार समिति अब पूरी तरह से छठमय हो चुकी है और महापर्व के लिए आवश्यक सभी वस्तुओं को श्रद्धालुओं तक पहुंचाने के लिए तैयार है। वे लगातार मंडी के कारोबारियों के संपर्क में होने का दावा भी किए।

सोलापुर से अनार, नागपुर से संतरा व बंगाल से आ रहा अमरूद : थोक अनार कारोबारी रंजीत मोदी ने बताया कि महाराष्ट्र के सोलापुर से अनार आ रहा है। अनार की थोक कीमत 65 रुपए से 130 रुपए प्रति किलो है।

वहीं, संतरा के थोक कारोबारी दिनेश सिंह ने बताया कि नागपुर से संतरा व बंगाल से अमरूद की आवक हो रही है। मंडी में संतरा की थोक कीमत 55 से 70 रुपए प्रति किलो है।

धनबाद से रांची समेत कई जिलों में जाता है माल : मंडी के थोक फल कारोबारियों ने बताया कि धनबाद में पहुंचने वाले कई फल रांची समेत झारखंड के कई जिलों में पहुंचते हैं। धनबाद में बंगाल से पहुंचा केला रांची, टाटा, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, तिलैया, बगोदर, कुमारडुबी, कतरास, झरिया व बाघमारा समेत कई जिलों की मंडियों में पहुंचते हैं।

झामुमो की उपेक्षा करने पर भड़के सांसद विजय हांसदा, बोले - हमने दिखाई दरियादिली लेकिन नहीं मिला सम्मान

पाकुड़, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के राजद और कांग्रेस ने झामुमो को स्थान नहीं दिया है, इससे झारखंड झामुमो नेता नाराज चल रहे हैं और पार्टी फोरम में विचार कर अपना पक्ष रख रहे हैं। इस मामले में झामुमो कोटे के राजमहल सांसद विजय हांसदा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। परिसदन में लोगों की समस्या सुनने पहुंचे सांसद विजय हांसदा ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए बताया कि जिस तरह हमारे नेता हेमंत सोरेन ने महागठबंधन के लिए दरियादिली दिखाई, लेकिन उस अनुरूप में बिहार विधानसभा चुनाव में सम्मान नहीं मिला। इस मामले में आगे पार्टी फोरम पर बात रखी जाएगी और निर्णय लिया जाएगा।

सांसद ने कहा कि जिस वक्त झारखंड में महागठबंधन हुआ तो झामुमो ने बड़े भाई की भूमिका निभाई थी, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जब प्रारूप तैयार हो रही थी, तब बड़े भाई की भूमिका में आरजेडी और कांग्रेस थे। इसी उम्मीद के साथ चर्चा चल रही थी और जो निष्कर्ष निकलना चाहिए था, वह नहीं निकला और इस मामले में पार्टी के वरीय नेता ने अपना पक्ष साफ तौर पर रखा है।

वहीं डीएमएफटी फंड को लेकर बीजेपी द्वारा उठाये गये सवाल पर झामुमो सांसद विजय हांसदा ने कहा कि हमारे यहां डीएमएफटी फंड को सही जगह खर्च किया जा रहा है और इस पर समीक्षा भी होती है। उन्होंने कहा कि जहां तक प्रभावित क्षेत्र में खर्च नहीं होने की बात है, इस पर दिशा की बैठक में किये गये कार्यों की सूची मांगी जाएगी और समीक्षा की जाएगी।

इस दौरान सांसद विजय हांसदा ने परिसदन में सैकड़ों ग्रामीणों की समस्या सुनी और निदान का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य के अलावा कई ई रिक्शा चालकों ने ज्यादा टोल टैक्स लेने की भी शिकायत की। जिस पर सांसद ने अधिकारियों से वार्ता कर निदान करने का निर्देश दिया।

पत्नी ने छोड़ा साथ तो सास का कर दिया काम तमाम, पुलिस के शिकंजे में दामाद!

गोड्डा, एजेंसी। जिला में बोआरीजोर थाना क्षेत्र के गोराडीह गांव में बुजुर्ग महिला महिला सोना भानु खातून की हत्या 21 अक्टूबर की रात कर दी गई थी। महिला अपनी चार साल की पोती के साथ घर में अकेली सो रही थी। सुबह जब महिला देर तक नहीं उठी तो ग्रामीणों ने घर जाकर देखा तो सोना भानु खातून मृत पड़ी हुई थी। जिनके गले पर धारदार हथियार से कटे का निशान थे। इस घटना के बाद पुरे गांव में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मृतका के घर पर जमा हो गए।

मृतका के परिवार में दो बेटे और दो बेटियां हैं। बताया गया है कि उनका एक बेटा जेल में है, जबकि दूसरा विक्षिप्त मानसिक हालात का है। दोनों बेटियां दिल्ली में रहकर काम करती हैं, जिसके कारण महिला अपनी चार साल की पोती के साथ अकेली रहती थी।

वहीं घटना की सूचना तुरंत बोआरीजोर थाना को दी गई। सूचना के बाद थाना प्रभारी आशीष कुमार यादव अपने दलबल के साथ घटनास्थल पहुंच स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद एसपी के निर्देश पर एस आई टी गठित कि और मामले का उदभेदन चौबीस घंटे के अंदर कर लिया गया। महागामा अनुमंडल एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि एक 65 वर्षीय महिला का गला रेत कर हत्या हुई है। इसके बाद पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। जल्द ही मामले का खुलासा किया गया जिसमें दामाद का हाथ प्रतीत हुआ, जिसे संदेह के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद गहन पूछताछ के बाद दामाद सकरुद्दीन ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गयी है।

जमशेदपुर में गोदाम में लगी भीषण आग:पटाखे की चिंगारी से आग लगने की आशंका, सूझबूझ से टला बड़ा हादसा



जमशेदपुर, एजेंसी। बुधवार देर रात जुगसलाई थाना क्षेत्र के नया बाजार स्थित पानी टंकी के पास एक गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि स्थानीय लोगों की सूझबूझ और दमकल विभाग की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में किसी के हताहत या घायल नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार यह घटना रात करीब 10:30 बजे की है। अचानक गोदाम से तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। देखते ही देखते आग की लपटें ऊपर तक उठने लगीं। कुछ ही मिनटों में धुआं पूरे इलाके में फैल गया। आसपास की बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

दमकल गाड़ियों के पहुंचने से पहले ही स्थानीय युवकों और दुकानदारों ने आग बुझाने की कोशिश शुरू कर दी। उन्होंने बाल्टी, पाइप और पानी टंकी का पानी इस्तेमाल करते हुए आग पर काबू पाने की कोशिश की। कई लोगों ने एक-दूसरे की छतों पर चढ़कर पानी फेंका ताकि आग पास की इमारतों तक न पहुंचे। उनकी सतर्कता के कारण आग ज्यादा नहीं फैल सकी।

करीब 20 मिनट बाद दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने लगातार एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग जिस गोदाम में लगी, वह स्थानीय व्यापारी बालमुकुंद गोयल का बताया जा रहा है। गोदाम दो ऊंची इमारतों के बीच स्थित है। जहां सैकड़ों प्लास्टिक की टंकियां, पाइप और अन्य सामग्री रखी हुई थी।

पटाखे की चिनगारी से आग लगने की आशंका

प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि पास में फोड़े गए पटाखे की चिंगारी गोदाम में जाकर गिरी, जिससे आग लगी। पुलिस और दमकल विभाग ने घटना स्थल की जांच की है। वहीं, फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है ताकि आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। सबसे राहत की बात यह रही कि आसपास के घरों से सभी लोगों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। किसी के घायल या हताहत होने की कोई खबर नहीं है। घटना के बाद इलाके में देर रात तक लोगों की भीड़ जुटी रही। पुलिस ने सावधानी के तौर पर इलाके में बैरिकेडिंग कर दी।

झारखंड की श्रेया कुमारी ने चीन में रचा इतिहास, वर्ल्ड वुशु कुंग फू चैंपियनशिप में हासिल किया तीसरा स्थान



रांची, एजेंसी। भारत की प्रतिभाशाली खिलाड़ी श्रेया कुमारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। दरअसल चीन में 14 से 20 अक्टूबर तक आयोजित 10वीं वर्ल्ड वुशु कुंग फू चैंपियनशिप में श्रेया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में कई देशों के दिग्गज खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था लेकिन श्रेया ने अपने बेहतरीन कौशल और लगन के दम पर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

श्रेया कुमारी ने बताया कि यह प्रतियोगिता बेहद चुनौतीपूर्ण था। चीन के खिलाड़ी बहुत ही उम्दा प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन मैंने पूरी कोशिश की और अंत तक अपने आत्मविश्वास को बनाए रखा। तीसरा पोजीशन हासिल करना मेरे लिए गर्व की बात है। श्रेया की यह सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि वह बेहद साधारण परिवार से आती हैं। उनके पिता सुखदेव उरांव एक किसान हैं, जो अपनी मेहनत की कमाई से बेटी के सपनों को साकार कर रहे हैं।

श्रेया बताती हैं कि उनके पिता ने हर मुश्किल परिस्थितियों में उनका साथ दिया है और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा, मेरे पिता एक किसान हैं। उन्होंने बहुत संघर्ष किया है ताकि मैं इस मुकाम तक पहुंच सकूं, आज जो कुछ भी हूं, उनकी मेहनत और विश्वास की वजह से हूं। श्रेया ने आगे बताया कि भारत में वुशु जैसे खेलों के लिए अब भी सुविधाएं सीमित हैं, लेकिन धीरे-धीरे लोगों की रुचि बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अगर खिलाड़ियों को सही ट्रेनिंग और सपोर्ट मिले, तो भारत इस खेल में भी कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत सकता है।

उन्होंने अपने कोच, परिवार और दोस्तों का भी आभार जताया, जिन्होंने हर पल उनका हौसला बढ़ाया। श्रेया का कहना है कि उनका अगला लक्ष्य गोल्ड मेडल जीतना है और इसके लिए वह और मेहनत कर रही हैं। श्रेया की इस उपलब्धि से न केवल उनके गांव और परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है बल्कि पूरे राज्य को उन पर गर्व है। वुशु खेल में यह सफलता आने वाले युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। श्रेया कुमारी ने साबित कर दिया कि अगर लगन और मेहनत हो तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते।

धनबाद में जेएलकेएम नेता पर हमले के बाद बवाल, भारी हंगामे के बीच पुलिस ने संभाला मोर्चा



धनबाद, एजेंसी। जिले के ओपी क्षेत्र के भौंरा परसियाबाद में दो गुट आपस में भिड़ गए, जिसके बाद जमकर बवाल हुआ। दोनों ओर से जमकर मारपीट हुई। हंगामे के दौरान कोयला लोड वाहनों के शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए गए। बवाल बढ़ता देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा, जिसके बाद मामला शांत हुआ। इस घटना में जेएलकेएम नेता कार्तिक महतो गंभीर रूप से घायल हैं। इसके साथ ही हादसे में दूसरे लोग भी चोटिल हुए हैं।

दरअसल, कार्तिक महतो जेएलकेएम के झरिया प्रखंड अध्यक्ष हैं। घटना के बाद से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी रोष है जबकि दूसरा गुट पूर्व पार्षद सह कारोबारी शिव कुमार यादव का समर्थक हैं। कोयला ट्रांसपोर्टिंग में लगे वाहनों के परिचालन में आए दिन बाधा उत्पन्न करने और पैसा मांगने का आरोप जेएलकेएम नेता पर लगता रहा है। दोनों गुटों की तरफ से पुलिस में शिकायत की गई है। पुलिस दोनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

इस मामले में जेएलकेएम नेता शक्तिनाथ महतो ने आरोप लगाते हुए कहा कि, शिव कुमार यादव के गुंडों द्वारा पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष कार्तिक महतो पर जानलेवा हमला किया गया है। हमले में कार्तिक महतो का हाथ टूट गया है। कार्तिक महतो जनता की समस्याओं को हमेशा उठाते रहे हैं। उन लोगों को लगता है कि यह नेता बन रहा है, इसलिए टारगेट कर उनके ऊपर जानलेवा हमला किया गया है। मामले को लेकर मामला दर्ज कराया गया है।

वहीं शिवकुमार यादव ने कहा कि लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। आए दिन कोयला ट्रांसपोर्टिंग में लगे हाइवा के परिचालन को इनके द्वारा बाधित किया जाता है। इनके द्वारा पैसे की मांग की जाती है और पैसे नहीं देने पर ड्राइवर के साथ बदसलूकी और गाली गलौज की जाती है। कार्तिक महतो और उनके समर्थकों के द्वारा कई वाहनों के शीशे क्षतिग्रस्त किए गए हैं। शिवकुमार यादव ने पुलिस से ऐसे लोगों पर कार्रवाई की मांग की है।

बासुकीनाथ के शिवगंगा घाट की साफ सफाई अधूरी, गुस्से में लोग

दुमका, एजेंसी। बासुकीनाथ स्थित शिव गंगा की सफाई नहीं होने से स्थानीय लोगों के साथ-साथ छठ व्रतियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बता दें कि महापर्व छठ पर भी बासुकीनाथ स्थित शिव गंगा की सफाई नहीं हुई है। शिवगंगा में चारों तरफ गंदगी फैली है। इधर स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से अब तक शिवगंगा की सफाई को लेकर समुचित व्यवस्था नहीं की गई है।

महापर्व छठ की तैयारी जोरों पर है और इस पर्व में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है। बासुकीनाथ में भी छठ पर्व को लेकर अभियान चला कर विभिन्न तालाबों की साफ सफाई की जा रही है लेकिन आस्था के प्रतीक बाबा बासुकीनाथ धाम स्थित पवित्र शिवगंगा तालाब में समुचित साफ सफाई के अभाव में गंदगी जमा हो गई है और हजारों छठव्रती शिवगंगा के इसी गंदे जल में खड़े होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य समर्पित करेंगे।

वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्व से पहले शिवगंगा की सफाई ना होना स्थानीय प्रशासन एवं मंदिर प्रशासन की लापरवाही साफ नजर आ रही है। जिले के कोने-कोने से बासुकीनाथ धाम मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालु इसी शिवगंगा तालाब में डूबकी लगाकर भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाते हैं। गंदे एवं दूषित जल से मंदिर में महादेव एवं दूसरे देवी देवताओं को जलाभिषेक करते हैं।

जिस प्रकार से गंदगी का अंबार लगा हुआ है। मेरा आग्रह है कि वैसे अधिकारी और समाज के लोग मिलजुलकर युद्ध स्तर पर काम करेंगे तब ही समय पर सफाई हो पाएगी क्योंकि छठ महापर्व के लिए शेष ही दिन बचे हैं, इसकी सफाई ऐसे समय पर हुई थी जब लगातार बारिश हो रही थी। इस बीच चाहकर भी संवेदक कार्य पूरा नहीं कर पाए थे। इस घाट पर बासुकीनाथ ही नहीं दूसरे जगह से भी छठ व्रती पूजा के लिए यहां पहुंचते हैं और भगवान भास्कर को अर्घ्य दे हैं।

कहां हैं अफीम की खेती करने वाले, पुलिस ने शुरू की जांच



पलामू, एजेंसी। अफीम की खेती करने वाले क्या कर रहे हैं, कौन से हालात में और कहां है? जिस जमीन पर खेती हुई थी उसकी क्या हालत है? जेल से निकलने वाले तस्कर फिलहाल कि स्थिति में है। इन सवालों को लेकर पुलिस ने एक मैराथन अभियान शुरू किया है।

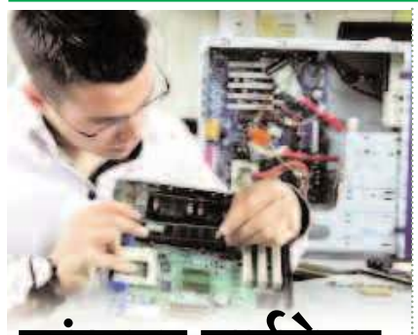
दरअसल झारखंड में अफीम की खेती को रोकने के लिए पुलिस कई स्तर पर अभियान चला रही है। पुलिस अफीम से खेती से प्रभावित इलाकों में फिलहाल जागरुकता अभियान चला रही है और ग्रामीणों से बातचीत कर रही है। इसी कड़े में पुलिस अफीम की खेती करने वाले लोगों के वर्तमान हालात एवं स्थिति का भी आकलन कर रही है। ग्रामीणों से पुलिस फिलहाल अफीम की खेती नहीं करने की अपील कर रही है और उन्हें वैकल्पिक खेती के बारे में भी जानकारी दे रही है।

पलामू पुलिस वैसे लोग जो अफीम की खेती करने के आरोपी हैं एवं इससे जुड़े रहे हैं। उनके घर पुलिस जा रही है और उनके नाम का सत्यापन कर रही है। पुलिस इस दौरान यह भी जांच कर रही है कि आरोपी फिलहाल कौन सा कारोबार या रोजगार कर रहे है। वैसे आरोपी जो जेल से बाहर निकले हैं वह फिलहाल क्या कर रहे है। पलामू पुलिस वैसे जमीन को चिन्हित किया है जहां 2017 के बाद से अफीम की खेती हुई है। सभी जमीनों के वर्तमान हालात की जानकारी को इकट्ठा किया जा रहा है।

अफीम को खेती को रोकने के लिए पलामू पुलिस ने एक नेटवर्क भी तैयार किया है। इस नेटवर्क के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में स्थिति का आकलन किया जा रहा है एवं सूचनाओं को भी संग्रह किया जा रहा है। 2017 के बाद से पलामू में 450 से भी अधिक लोगों पर अफीम की खेती करने के आरोप में एफआईआर दर्ज हुआ है। सबसे अधिक मुकदमे मनातू, पांकी, पिपराटांड़एवं तरहसी के आरोपियों पर हुआ है। 2025 में सबसे अधिक मनातू में 132 लोगों पर एफआईआर दर्ज हुआ था।

अफीम को लेकर प्री कल्टीवेशन ड्राइव चलाया जा रहा है। ग्रामीणों से पुलिस अधिकारी संवाद कर रहे हैं और उन्हें जागरूक किया जा रहा है। पुलिस गांव-गांव में जाकर प्रचार प्रसार कर रही है ग्रामीणों को खेती से दूर रहने की अपील कर रही है। पलामू के मनातू के मिटार के इलाके में बड़ा कार्यक्रम किया गया था जिसमें ग्रामीणों ने अफीम की खेती नहीं करने की शपथ भी ली है। वैसे लोग जिनका अफीम की खेती करने का इतिहास रहा है और मुकदमा दर्ज हैं उनके स्थिति का भी सत्यापन किया जा रहा है। जिन जमीनों पर अफीम की खेती हुई थी उनका भी भौतिक सत्यापन किया जा रहा है और सभी का एक डाटा तैयार किया गया है। -रीष्मा रमेशन, एसपी, पलामू।

नवंबर के पहले सप्ताह से अफीम की खेती की तैयारी शुरू हो जाती है। नवंबर महीने में अफीम के बीच लगाए जाते हैं और इसका पौधा निकलने लगता है। अफीम के खेती की जानकारी मिलने के बाद पुलिस का भी नवंबर का अंतिम सप्ताह से अफीम की खेती के खिलाफ अभियान शुरू हो जाती है। पूरे झारखंड में सबसे पहले पलामू चतरा सीमा पर अफीम की खेती की शुरुआत हुई। धीरे-धीरे अफीम की खेती लातेहार, खूंटी, रांची, हजारीबाग समेत कई इलाकों में फैल गई थी।



कंप्यूटर हार्डवेयर में अवसरों की कमी नहीं

पिछले दो दशक में अगर किसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा विकास और कामकाज को लेकर निर्भरता बढ़ी है तो वह कंप्यूटर है। दरअसल कंप्यूटर आज हर एक की जिंदगी में इस तरह से पैठ बना चुका है कि इसके बिना कोई काम नहीं हो सकता। यह संभव है कि आपको कंप्यूटर का संचालन करना नहीं आता हो लेकिन समय पडऩे पर इसे सीखना आवश्यक होता जा रहा है। ऐसे में कंप्यूटर का रख-रखाव भी अहम हो जाता है। जब भी कभी इसमें खराबी आ जाती है तो इसे ठीक करने का काम कंप्यूटर हार्डवेयर प्रोफेशनल्स करते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर क्या है

कंप्यूटर के कलपुर्जों को सम्मिलित रूप से हार्डवेयर कहा जाता है। हार्डवेयर तकनीक के अंतर्गत इसके निर्माण और रख-रखाव की जानकारी दी जाती है। इसे दो भागों में बांटा जा सकता है। कार्ड लेवल और चिप लेवल। दरअसल, सभी कंप्यूटर उपकरणों में कई तरह के कार्ड लगे होते हैं, जिनमें कई चिप होती हैं। पहले किसी भी चिप में कोई खराबी होने पर पूरे कार्ड को बदल दिया जाता था। इसे 'कार्ड लेवल हार्डवेयर तकनीक कहते हैं। इसमें लगने वाले कार्ड काफी महंगे होते हैं, इस कारण यह तकनीक काफी महंगी है। अब जब से कार्ड में लगे चिप को बदलने की तकनीक विकसित हो चुकी है तो कंप्यूटर में इससे संबंधित किसी भी तरह की खराबी आने पर कार्ड में लगे चिप को बदलकर ही खराबी दूर कर दी जाती है। कार्ड के मुकाबले चिप काफी सस्ती पड़ती है। इसके कारण यह तकनीक काफी लोकप्रिय है।

योग्यता

कई पॉलिटेक्निक और निजी संस्थानों द्वारा चिप लेवल हार्डवेयर में डिप्लोमा का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की अवधि एक से तीन वर्ष के बीच होती है। इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए योग्यता बारहवीं पास है, जबकि पॉलिटेक्निक में दसवीं के बाद ही प्रवेश लिया जा सकता है। अधिकतर जगहों पर दाखिला प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होता है। कुछ निजी संस्थान बारहवीं के अंकों के आधार पर भी प्रवेश देते हैं।

संभावनाएं

कंप्यूटर और उसके उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या के साथ ही हार्डवेयर इंजीनियरों की मांग भी काफी तेजी से बढ़ी है। निजी संस्थानों और कार्यालयों में कंप्यूटर के बिना काम करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंप्यूटर में थोड़ी-सी गड़बड़ी लाखों का नुकसान करा सकती है, इसलिए निजी कंपनियों और सरकारी कार्यालयों में पर्याप्त संख्या में हार्डवेयर प्रोफेशनल नियुक्त किए जाते हैं। घरों, दुकानों आदि में कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग के कारण स्वतंत्र रूप से रिपेयरिंग का काम करके काफी आमदनी की जा सकती है। आप हार्डवेयर अपग्रेडेशन में भी टेलीकॉम, मोबाइल और कंप्यूटर से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक गुडस के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। साथ ही अगर आप नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।



वोकेशनल कोर्स के माध्यम से अपने करियर को नए मुकाम तक पहुंचाएं



हर कोई डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस... बनना चाहता है, लेकिन हर किसी का यह सपना पूरा नहीं होता है। लेकिन आप वोकेशनल कोर्स के माध्यम भी अपने करियर को एक नए मुकाम तक पहुंचा सकते हैं।

अगर आप उच्च शिक्षा हासिल करने में फाइनेंशियल रूप से सक्षम नहीं हैं, तो वोकेशनल कोर्सेज आपके लिए बेहतर विकल्प हैं। इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सरकारी और प्राइवेट संस्थानों द्वारा कई तरह के शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कोर्सेज चलाए जा रहे हैं। इस तरह के कोर्स करने के बाद नौकरी भी आसानी से मिल जाती है।

हेयर स्टाइल



इन दिनों फैशन का खूब पैशन है। इसलिए लोग अपने हेयर स्टाइल के प्रति काफी सजग हो गए हैं। यही वजह है कि बाजार में संभावनाओं को देखते हुए कुछ संस्थानों ने इससे जुड़े कोर्स शुरू कर दिए हैं। आप 10वीं और 12वीं पास करने के बाद इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- पॉलिटेक्निक फॉर वूमन, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली,
- हबिब्स हेयर एकेडमी, साउथ एक्सटेंशन-2 नई दिल्ली,
- मैन्स वर्ल्ड इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

ब्यूटी कल्चर

फैशन के इस दौर में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है और लोगों की इसी चाहत की वजह से ब्यूटी कल्चर का कारोबार काफी बढ़ रहा है। यदि आप ऑफबीट करियर में कदम रखना चाहते हैं, तो ब्यूटी कल्चर से जुड़े कोर्स 10वीं और 12वीं के बाद भी कर सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- अहिमसा वूमन पॉलिटेक्निक, शंकर रोड, नई दिल्ली,
- लोयला इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, लोयला कॉलेज, चेन्नई

फैशन डिजाइनिंग



फैशन डिजाइनिंग का क्षेत्र काफी विस्तृत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां कैरियर के लिए अपार गुंजाइश है। बदलते फैशन की समझ और नए डिजाइन क्रिएट करने की क्षमता आपको इस क्षेत्र में सफल बना सकती है। फैशन की दुनिया में जाने के लिए 10+2 के उपरांत फैशन से संबंधित किसी भी पाठयक्रम में एडमिशन ले सकते हैं। फैशन डिजाइनिंग से संबंधित संस्थान तीन वर्ष का डिगरी कोर्स करवाने के साथ-साथ कुछ शार्ट टर्म कोर्स भी करवाते हैं, जो छह महीने से लेकर एक साल तक के हैं। कोर्स पूरा करने के बाद फैशन टेक्नोलॉजी, स्टिचिंग ऑफ गारमेंट्स, गारमेंट टेक्नोलॉजी, अपैरल मर्चेंडाइजिंग को अपैरल कोआर्डिनेटर, रीटेलर, सेल प्रमोशन, फैशन फोटोग्राफी, ड्रेस ऐंड एक्सेसरी डिजाइनर, गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजिस्ट, निटवियर डिजाइनर, टेक्सटाइल आदि के तौर पर नौकरी मिल सकती है। अपैरल पैटर्न मेकिंग का कोर्स दसवीं कक्षा के बाद कर सकते हैं। इसकी अवधि चार से छह माह की है। कपड़ा मंत्रालय के तहत अपैरल एक्सपोर्ट काउंसिल के अंडर में भी अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर से इस कोर्स को किया जा सकता है। फैशन टेक्नोलॉजी का कोर्स करने के बाद आपको सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की गारमेंट कंपनियों, फैशन ब्राडों, टैक्सटाइल मिलों, फैशन संस्थानों में रोजगार मिल सकता है। स्वरोजगार के तौर पर रेडीमेट गार्मेंट बुटीक खोलकर भी कमाई की जा सकती है।

इंस्टीट्यूट

- नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट फॉर वुमेन, नोएडा।
  इसके अलावा पॉलीटेक्नीक फॉर वूमेंस संस्थानों से भी ये कोर्स किए जा सकते हैं।

फुटवियर टेक्नोलॉजी ऐंड लेदर गुड्स मेकिंग



फुटवियर टेक्नोलॉजी या लेदर गुड्स में प्रशिक्षण हासिल करके बेहतर करियर बनाया जा सकता है। इसमें डिप्लोमा कोर्स के बाद अच्छी नौकरियां पाई जा सकती हैं। फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग और फुटवियर डिजाइनिंग एक्सपर्टस की मार्केट में काफी डिमांड है। किसी भी स्ट्रीम में बारहवीं पास युवा इन कोर्सेज में प्रवेश पा सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनिंग



फैशन एसेसरीज में ज्वैलरी हमेशा से ही हॉट डिमांड में रही है। इस क्षेत्र में मुख्य काम ज्वेलरी मेकिंग, डिजाइनिंग आदि है। इसके अलावा, वैलरी डिजाइन, स्टोन कटिंग ऐंड इनेमलिंग, जेमोलॉजी कॉस्टिंग टेक्नोलॉजी, आईडेंटीफिकेशन ऑफ स्टोन ऐंड जेम्स आदि पाठ्यक्रम भी किए जा सकते हैं। इसमें रत्नों की शुद्धता मापने, रत्नों का चुनाव, मूल्य,काटने-तराशने का ज्ञान, कास्टिंग, सैटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग तथा सोल्डरिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं है। कोर्स करने के बाद किसी भी ज्वैलरी कंपनी से जुडक़र काम की शुरुआत कर सकते हैं। इसकी पढ़ाई दिल्ली, जयपुर और नोएडा के अलावा कई शहरों में होती है।

इंटीरियर डिजाइनिंग

घर हो, दफ्तर, होटल या शोरूम, इनको डिफरेंट लुक देने का काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनर स्थान की साज-स'जा के अलावा जगह का भी प्लान करता है। वे कस्टमर की रुचि, बजट तथा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी रूपरेखा तैयार करते हैं। इसमें दीवार, फर्श, छत की स'जा, फर्नीचर और दूसरी सामग्रियों की जमावट, विंडो ट्रीटमेंट, लाइटिंग, विजुअल और साउंड इफेक्ट्स आदि शामिल होते हैं। एक अच्छा इंटीरियर डिजाइनर बनने के लिए कल्पनाशीलता और रचनात्मकता बेहद जरूरी गुण है। इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। यूं तो इंटीरियर डिजाइनिंग में तीन साल के भी कोर्स हैं, लेकिन करियर बनाने के लिए आर्किटेक्चर में पांच वर्षीय डिगरी कोर्स बेहतर होता है। साइंस स्ट्रीम के बारहवीं पास स्टूडेंट्स इंटीरियर डिजाइनिंग के डिगरी पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं, जबकि कला स्ट्रीम के छात्र एक से दो साल का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। अधिकांश शहरों के पॉलीटेक्निक और वोकेशनल ट्रेनिंग स्कूलों में ये कोर्स कराए जाते हैं। यह कोर्स करने के बाद विभिन्न इंटीरियर डिजाइनिंग संस्थानों, आर्किटेक्ट फर्म, कंसल्टेंसी फर्म या बिल्डर और कॉन्ट्रैक्टर के साथ काम कर सकते हैं। इसके अलावा बड़े होटलों, हॉस्पिटल्स, शॉपिंग मॉल या डिजाइन स्टूडियो और फर्नीचर स्टोर्स में डिजाइन कंसल्टेंट की जरूरत होती है। खुद का उद्यम भी शुरू कर सकते हैं।



क्रिमिनोलॉजिस्ट चुनौतियों भरा कॅरियर



टेक्नोलॉजी में तेजी से आई प्रगति से सिर्फ सुविधाएं ही नहीं, बल्कि अपराध भी बढ़ रहे है और इसी के साथ बढ़ रही है अपराधों की छानबीन के क्षेत्र में करियर की प्रबल संभावनाएं भी।

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम है घटना स्थल से अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाने में जांच दल की मदद करना। विशेषज्ञों के अनुसार, बेशक यह जॉब चैलेंजिंग है, परंतु तेजी से लोकप्रिय हो रहा करियर विकल्प भी है। फोरेंसिक साइंस की सभी शाखाओं में इसके विशेषज्ञों की हमेशा मांग रहती है।

केंद्रीय व राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही 24 फोरेंसिक लैब में विशेषज्ञों की भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। फोरेंसिक मेडिसिन के विशेषज्ञों को सभी मेडिकल कालेजों, शोध संस्थानों में मौका दिया जाता है। अपराध अनुसंधान से संबंधित सभी लैबों में फोरेंसिक विज्ञान की शाखाओं के लिए अलग-अलग विभागों में विशेषज्ञों की मांग हमेशा बनी रहती है। क्रिमिनोलॉजी विशेषज्ञों के लिए सीबीआई और आईबी में भी मौके होते हैं। यह करियर रोमांच और चुनौतियों से भरा है। अगर आप अपने जीवन में जोखिम को तवज्जो देते हैं तो आप इस करियर से नाता जोड़ सकते हैं। आप इस करियर में जितनी मेहनत करेंगे, उतना ही मेहनताना और मान-सम्मान भी पाएंगे।

उपलब्ध कोर्स

- बीए/बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी (3 वर्ष)
- एमए/एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी (2 वर्ष)
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी (1 वर्ष)

कैसे मिलेगा दाखिला

क्रिमिनोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए बीए या बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी में दाखिला ले सकते हैं, जिसकी अवधि 3 वर्ष है। इसके लिए आर्ट या साइंस में बारहवीं पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा, पोस्ट ग्रेजुएट, डिग्री या डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी भी कर सकते हैं, जिसके लिए आर्ट या साइंस विषय में स्नातक डिग्री आवश्यक है।

कार्य

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम अपराध से संबंधित परिस्थितियों का अध्ययन करना, अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाना और अपराध करने का कारण तथा समाज पर इसका प्रभाव जानना होता है। क्रिमिनोलॉजिस्ट समाज को अपराध से बचाने में मदद भी करता है।

संभावनाएं

आज जिस तरह से क्राइम बढ़ रहा है, उसे देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि सन् 2014 तक इस क्षेत्र में ऐसे प्रोफेशनल्स की बहुत जरूरत पड़ेगी। क्रिमिनोलॉजिस्ट पब्लिक व प्राइवेट कंपनियों, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट, एनजीओ, रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन, प्राइवेट सिक्योरिटी तथा डिटेक्टिव एजेंसियों में रोजगार प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, क्रिमिनोलॉजिस्ट काउंसलर तथा फीलांसर के तौर पर भी कार्य कर सकता है।

किस तरह के मिलते हैं जॉब

क्रिमिनोलॉजी से कोर्स करने के बाद क्राइम इंटेलिजेंस एनालिस्ट, लॉ रिफॉर्म रिसर्चर, कम्यूनिटी करेक्शन कोऑर्डिनेटर, ड्रग पॉलिसी एडवाइजर, कंज्यूमर एडवोकेट, इनवायरनमेंट प्रोटेक्शन एनालिस्ट के पद पर कार्य कर सकते हैं।

आवश्यक गुण

कानून व्यवस्था पर आस्था और जिज्ञासा एक सफल क्रिमिनोलाजिस्ट बनने के लिए सबसे आवश्यक गुण होते हैं। इसके अलावा, यदि आप लॉजिक व प्रैक्टिकल सोच रखते हैं तथा टीम भावना के साथ काम कर सकते हैं, तो आप आसानी से इस फील्ड से जुडक़र नाम कमा सकते हैं।

सैलॅरी पैकेज

भारत में एक क्रिमिनोलॉजिस्ट शुरुआती स्तर पर प्रतिमाह 30 से 45 हजार रुपये कमा सकता है। इसके अलावा, फीलांसर के तौर पर वह केस की जरूरत के अनुसार अपनी फीस तय कर सकता है। भारत की तुलना में विदेशों में क्रिमिनोलॉजिस्ट की मांग ज्यादा है।

कर्ज में डूबे हैं देश के 15 प्रतिशत लोग, दिल्ली में कर्जदारों की संख्या सबसे कम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के दक्षिणी राज्य उत्तरी राज्यों की तुलना में ज्यादा अमीर हैं लेकिन कर्ज के मामले में भी वे बहुत आगे हैं। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की द्वि-वार्षिक पत्रिका सर्वेक्षण के मुताबिक कर्ज लेने के मामले में आंध्र प्रदेश देश में पहले नंबर पर है। इस राज्य में 43.7 प्रतिशत लोगों पर कर्ज है। यानी हर पांच में से दो लोगों पर कर्ज है। इसके बाद तेलंगाना (37.2 प्रतिशत), केरल (29.9 प्रतिशत), तमिलनाडु (29.4 प्रतिशत), पुडुचेरी (28.3 प्रतिशत)और कर्नाटक (23.2 प्रतिशत) का नंबर है। जानकारों का कहना है कि दक्षिणी राज्यों में ज्यादा अमीरी के कारण वहां के लोग ज्यादा कर्ज लेने और उसे चुकाने में सक्षम हैं। दिल्ली में कर्ज लेने वाले लोगों की संख्या सबसे कम है। राजधानी में केवल 3.4 फीसदी लोगों पर कर्ज है। इसके बाद छत्तीसगढ़ (6.5 प्रतिशत), असम (7.1 प्रतिशत), गुजरात (7.2 प्रतिशत), झारखंड (7.5 प्रतिशत), पश्चिम बंगाल (8.5 प्रतिशत) और हरियाणा (8.9 प्रतिशत) का नंबर है। यह स्टडी एनएसओ के 78वें मल्टीपल इंडिकेटर सर्वे पर आधारित है। यह सर्वे 2020-21 में किया गया था। इसके मुताबिक राष्ट्रीय स्तर पर करीब 15 प्रतिशत वयस्क लोगों पर कर्ज है।

ब्लैकस्टोन खरीद रहा है फेडरल बैंक में 9.99 प्रतिशत हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। फेडरल बैंक अपना 9.99 प्रतिशत हिस्सा ब्लैकस्टोन की कंपनी को बेच रहा है। फेडरल बैंक (के बोर्ड ने प्रीफरनेंशियल आधार पर ब्लैकस्टोन से जुड़ी फर्म एशिया टॉपको को कंवर्टिबल वार्टेंस जारी करने का अप्रूवल दे दिया है। ऐलान के बाद फेडरल बैंक के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। शुक्रवार की सुबह मार्केट में छाई सुस्ती के बीच यह बैंकिंग स्टॉक 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी हासिल करने में सफल रहा है। फेडरल बैंक के शेयर आज 52 वीक हाई पर हैं। फेडरल बैंक की तरफ से किए ऐलान के अनुसार 27.29 करोड़ वारेंट्स 227 रुपये के हिसाब से जारी किए गए हैं। यह गुरुवार की क्लोजिंग के बराबर है। बता दें, ब्लैबस्टोन की तरफ से 6196 करोड़ रुपये का निवेश फेडरल बैंक में किया जाएगा। 25 प्रतिशत पैसे का भुगतान वारेंट्स के सब्सक्रिप्शन के दौरान किया जाएगा। वहीं, बाकि 75 प्रतिशत का प्रक्रिया के पूरे होने के दौरान किया जाएगा। इस ट्रांजैक्शन के बाद ब्लैकस्टोन की कंपनी एशिया टॉपको के पास फेडरल बैंक का 9.99 प्रतिशत हिस्सा हो जाएगा। आज शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई में 228.40 रुपये के लेवल पर ओपन हुए है।

रूस पर अमेरिका के प्रतिबंधों से कच्चे तेल की कीमतों में चार फीसदी उछाल

● भारत पर असर...रिलायंस को झटका सरकारी कंपनियां करती रहेंगी खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
यूक्रेन में शांति समझौते पर बातचीत के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बनाने के प्रयास के तहत अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन प्रतिबंधों में अमेरिका में रोसनेफ्ट और लुकोइल की सभी संपत्तियों को जब्त करना भी शामिल है। अमेरिका की इस सख्ती के बाद बृहस्पतिवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 4 फीसदी से ज्यादा उछाल दर्ज किया गया।

ब्रेंट क्रूड 2.71 डॉलर या 4.3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 65.30 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की कीमतें 2.56 डॉलर या 4.40 फीसदी के उछाल के साथ 61.06 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई।

अमेरिका से पहले ब्रिटेन ने भी पिछले सप्ताह रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। यूरोपीय संघ के देशों ने भी रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के 19वें पैकेज को मंजूरी दी, जिसमें रूसी एलएनजी के आयात पर पाबंदी लगाना भी शामिल है।



यूबीएस के विश्लेषक जियोवानी स्टानोवो ने कहा, वैश्विक तेल बाजारों पर इन प्रतिबंधों का पड़ने वाला असर इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत कैसी प्रतिक्रिया देता है और क्या रूस को वैकल्पिक खरीदार मिलते हैं।

बाजार में इस बात को लेकर संशय बना हुआ है कि क्या अमेरिकी प्रतिबंधों से आपूर्ति और मांग में बुनियादी बदलाव आएगा। जहां तक मांग पक्ष की बात है, तो रिफाइनिंग गतिविधियों और मांग में मजबूती से पिछले सप्ताह अमेरिकी कच्चे तेल, गैसोलीन और डिस्टिलेट के भंडार में कमी दर्ज की गई। प्रतिबंधों से रिलायंस इंडस्ट्रीज को बड़ा झटका लग सकता है, क्योंकि वह सीधे रोसनेफ्ट से तेल खरीदती है। ऐसे में रिलायंस को अपना आयात फिर से संतुलित करना पड़ सकता है। रिलायंस भारत में रूसी तेल की सबसे बड़ी खरीदार है। कंपनी रूस से देश के प्रतिदिन 17 लाख बैरल आयात का आधा हिस्सा खरीदती है। हालांकि, सरकारी रिफाइनरियां मध्यस्थ व्यापारियों से खरीद जारी रख सकती हैं।

भारत के लिए क्या...तलाशने होंगे वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता

सैक्सो बैंक के विश्लेषक ओले हैनसेन का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में यह उछाल अमेरिकी प्रतिबंधों के लागू होने के बाद देखने को मिला है। भारत और चीन की रिफाइनरी कंपनियों को अब पश्चिमी बैंकिंग प्रणाली से बाहर होने से बचने के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश करनी होगी। रूस की दोनों कंपनियों पर प्रतिबंधों से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में हलचल की स्थिति हैं, क्योंकि ये मिलकर प्रतिदिन 31 लाख बैरल तेल का निर्यात करती हैं। सिर्फ रोसनेफ्ट वैश्विक तेल उत्पादन का 6 फीसदी और रूस के कच्चे तेल के कुल उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा निर्यात करती है। रूस पर लगे लगभग सभी प्रतिबंध मॉस्को के उत्पादित मात्रा या तेल राजस्व को प्रभावित करने में विफल रहे हैं।

इंजीनियरिंग छोड़ कारोबार में कदम, अब हर महीने लाखों रुपये की कमाई



नई दिल्ली, एजेंसी। लोहित रेड्डी एक पारंपरिक किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता और दादा रागी तथा कुछ दलहली फसलें उगाते थे। इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद सबको उम्मीद थी कि वे आईटी सेक्टर में करियर बनाएंगे। लेकिन लोहित के मन में फूलों की खुशबू बस चुकी थी। इस जुनून की नींव उनके चचेरे भाई गोपाल एस रेड्डी ने रखी, जो साल 1995 से फूलों की खेती कर रहे थे। लोहित अक्सर उनके खेत में मदद करते और फूलों की नाजुक देखभाल से मंत्रमुग्ध हो जाते। वहीं से उनकी फ्लोरिकल्चर की यात्रा शुरू हुई। आज लोहित फूलों की खेती से लाखों रुपये की कमाई कर रहे हैं। साल 2013 में गोपाल यूके चले गए और गुलाब की खेती छोड़ दी। ऐसे में लोहित ने फूलों की खेती में अवसर देखा। उन्होंने उस अधूरे फार्म को संभालने का फैसला किया और फूलों की व्यावसायिक खेती शुरू की। साल 2018 में उन्होंने 15 लाख रुपये का निवेश किया। इस रकम से उन्होंने पॉलीहाउस बनवाया और 12,000 जरबेरा पौधे खरीदे। शुरुआती महीनों में वे हर महीने 1.5 लाख रुपये तक कमाने लगे। 31 साल के लोहित रेड्डी बेंगलुरु के कोम्मासंद्रा के रहने वाले हैं। वह बताते हैं कि जरबेरा तीन साल तक लगातार फूल देता है। उन्हें एक स्थिर आय चाहिए थी और यह मेरे लिए सही शुरुआत थी। जरबेरा में सफलता के बाद लोहित ने गुलदाउदी की खेती शुरू की। यह ऐसा फूल है जो भारत में अभी भी सीमित किसानों द्वारा उगाया जाता है। उन्होंने फार्म के 4,000 वर्ग मीटर हिस्से में गुलदाउदी और 2,000 वर्ग मीटर में जरबेरा लगाया।

सोने की वैश्विक कीमतों में पिछले हफ्ते 14 वर्ष की बड़ी गिरावट

चांदी 7 फीसदी टूटी

4,400 डॉलर प्रति औंस से घटकर 4,036 डॉलर प्रति औंस हो गई है

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार रिकॉर्ड ऊंचाई बना रहे सोना और चांदी की चमक फीकी पड़ने लगी है। वैश्विक बाजार में सितंबर, 2011 के बाद सोने की कीमतों में पिछले हफ्ते सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। यह इस दौरान 4,400 डॉलर प्रति औंस से घटकर 4,036 डॉलर प्रति औंस हो गई है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोना प्रति दस ग्राम अब 1.23 लाख रुपये पर आ गया है। यह 17 अक्तूबर को 1,34,800 रुपये रहा था। यानी करीब 12,000 रुपये की कमी आई है। चांदी भी 1.84 लाख रुपये प्रति किलो से घटकर 1.72 लाख रुपये पर आ गई है। यह भी 12,000 रुपये घटी है। न्यूयॉर्क में सोने का वायदा भाव सोमवार को रिकॉर्ड 4,374 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। मंगलवार को 250 डॉलर (या 5.74 प्रतिशत) से अधिक गिर गया। सितंबर, 2011 के बाद से फीसदी के लिहाज से एक दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है। आर्थिक अनिश्चितता के बीच सोने की बिक्री अक्सर तेजी से बढ़ती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनिया भर से आयात पर लगाए गए टैरिफ की बौछार, महंगाई को लेकर बढ़ती चिंताओं और अब हफ्तों से चल रहे अमेरिकी सरकार के बंद के बीच अधिकतर निवेशक सोने की ओर रुख कर रहे।

चांदी- 7 प्रतिशत टूटी: न्यूयॉर्क में चांदी के वायदा भाव मंगलवार को 7 फीसदी से अधिक गिर गए। यह 47.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, जो पिछले सप्ताह के रिकॉर्ड 53.44 डॉलर से कम है।



निवेश के लिए सुरक्षित ठिकाना

सोने में निवेश के समर्थक इसे एक सुरक्षित ठिकाना बताते हैं। उनका तर्क है कि यह निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने और उसे संतुलित करने में मदद कर सकती है। बढ़ती महंगाई के खिलाफ बचाव के रूप में भविष्य में संभावित जोखिमों को कम कर सकती है। फिर भी, विशेषज्ञों की सलाह है कि पूरे पैसे सोने और चांदी में ही न लगाएं। उससे भी पहले देशों के बीच तनाव और केंद्रीय बैंकों की मजबूत मांग ने हाल के वर्षों में सोने की बढ़त को बढ़ावा दिया था। विश्लेषकों के मुताबिक, कीमती धातुएं अस्थिर हो सकती हैं। इसलिए सोने के मूल्य में रोजाना उतार-चढ़ाव असामान्य बात नहीं है।

अमेरिका के बैंक ने खरीदे इस ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज के 5 लाख से ज्यादा शेयर

ई दिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी ईपैक प्रीफैब क्नोलॉजीज के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। ंपनी के शेयर शुक्रवार को क्रस्श्व में 13 पर्सेंट । अधिक के उछाल के साथ 264.60 रुपये पर हुंच गए हैं। ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज इसी हीने शेयर बाजार में उतरी है। बैंक ऑफ मेरिका ने गुरुवार को एक बल्क डील के जरिए पैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज के 5.62 लाख शेयर रीदे हैं। बैंक ऑफ अमेरिका ने ये शेयर 13 रोड़ रुपये में खरीदे हैं। बैंक ऑफ अमेरिका ने शेयर 233.82 रुपये प्रति शेयर के दाम पर क ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज यूरोप एसए जरिए खरीदे हैं। लिस्टिंग के बाद पहले नतीजे ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज का कंसॉलिडेटेड ट प्रॉफिट दोगुना से ज्यादा बढ़ा है। हायर नकम की वजह से चालू वित्त वर्ष की सितंबर माही में कंपनी को 29.46 करोड़ रुपये का ुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज को 14.42 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम बढ़कर 436.72 करोड़ रुपये पहुंच गई है। एक साल पहले की समान अवधि में ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज की टोटल इनकम 270.82 करोड़ रुपये थी। ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज का आईपीओ दांव लगाने के लिए 24 सितंबर 2025 को खुला था और यह 26 सितंबर तक ओपन रहा। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 204 रुपये था। ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज के शेयर 1 अक्टूबर 2025 को 189.70 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग वाले ही दिन कंपनी के शेयर उछाल के साथ 194.40 रुपये पर बंद हुए। ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज का आईपीओ टोटल 3.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों का कोटा 1.74 गुना सब्सक्राइब हुआ।

एसबीआई बना दुनिया का बेस्ट कंज्यूमर बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक को ग्लोबल फाइनेंस, न्यूयॉर्क की ओर से दो बड़े पुरस्कार मिले हैं। यह सम्मान उन्हें ग्लोबल फाइनेंस अवॉर्ड सेरेमनी में दिया गया, जो वर्ल्ड बैंक/आईएमएफ एनुअल मीटिंग्स 2025 के दौरान आयोजित हुई थी। एसबीआई को वर्ल्ड्स बेस्ट कंज्यूमर बैंक 2025 और बेस्ट बैंक इन इंडिया 2025 के खिताब से नवाजा गया है।

एसबीआई ने एक बयान में कहा है कि इन दोहरे सम्मानों से एसबीआई की वैश्विक बैंकिंग लीडर के तौर पर स्थिति और मजबूत हुई है। बैंक इनोवेशन, वित्तीय समावेशन और ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय स्टेट बैंक ने यह भी बताया कि ये पुरस्कार ग्राहकों को विश्व स्तरीय बैंकिंग अनुभव देने में एसबीआई की सफलता को दर्शाते हैं। साथ ही, बैंक ने टेक्नोलॉजी में अपनी लीडरशिप बनाए रखी है और पूरे भारत में अपनी सेवाएं फैलाई हैं।

एसबीआई के ग्रुप चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने इस सम्मान पर कहा, हम ग्लोबल फाइनेंस द्वारा एसबीआई की उत्कृष्टता के प्रति दैनिक प्रतिबद्धता को मान्यता देने से बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 52 करोड़ ग्राहकों को सेवा देना और हर दिन 65,000 नए ग्राहक जोड़ना, टेक्नोलॉजी और डिजिटलीकरण में बड़े निवेश की मांग करता है। एक डिजिटल फर्स्ट, कंज्यूमर फर्स्ट बैंक के रूप में, हमारा प्रमुख मोबाइल एप्लीकेशन 10 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवा देता है, जिसमें 1 करोड़ दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।

एसबीआई भारत का सबसे बड़ा बैंक है। यह संपत्ति, जमा, शाखाओं, ग्राहकों और



कर्मचारियों के मामले में सबसे आगे है। यह देश के सबसे बड़े होम लोन देने वाले बैंकों में से एक है। एसबीआई ने अब तक करीब 30 लाख भारतीय परिवारों के घर खरीदने के सपने पूरे किए हैं।

बैंक के होम लोन का पोर्टफोलियो 8.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। जून 2025 तक, बैंक के पास 54.73 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की जमा राशि थी। इसका ष्ट्र (करंट अकाउंट, सेविंग अकाउंट) अनुपात 39.36 प्रतिशत था और 42.54 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का एडवांस था। होम लोन में एसबीआई की बाजार हिस्सेदारी 27.7 प्रतिशत और ऑटो लोन में 19.03 प्रतिशत है।

एसबीआई के पास भारत में 22,980 शाखाओं और 62,200 एटीएम/एडीएम (ऑटोमेटेड डिपॉजिट/विड्रॉल मशीन) का सबसे बड़ा नेटवर्क है। इसके अलावा 76,800 से ज्यादा क्रष्ट (बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट) आउटलेट भी हैं। इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों की संख्या 14.2 करोड़ है। एसबीआई की डिजिटल रणनीति सही दिशा में है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 66 प्रतिशत नए बचत खाते योनो के जरिए खोले गए। योनो एसबीआई का एकीकृत डिजिटल और लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म है।

6 महीने में 100 प्रतिशत ट्रांजेक्शन ऑनलाइन... भारत में डिजिटल पेमेंट का बोलबाला

इस मामले में यूपीआई ने मारी बाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में पेमेंट का तरीका तेजी से दल रहा है। साल 2025 की पहली छमाही के आंकड़ों के ुताबिक, कुल पेमेंट लेनदेन में से 99.8 प्रतिशत डिजिटल रीके से हुए हैं। इसका मतलब है कि लगभग सारे भुगतान ब ऑनलाइन हो रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई) के जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार कुल ुगतान लेनदेन के मूल्य में भी डिजिटल भुगतान का हिस्सा 7.7 प्रतिशत रहा। इस अवधि में कुल भुगतान का मूल्य 572 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें से 1536 लाख रोड़ रुपये डिजिटल भुगतान के जरिए हुए। यह दिखाता है क डिजिटल भुगतान अब भारत में भुगतान का मुख्य जरिया न गया है। डिजिटल भुगतान के कई तरीके हैं, जिनमें पीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) और आरटीजीएस रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट) प्रमुख हैं। साल 2025 की हली छमाही में यूपीआई ने लेनदेन की मात्रा के मामले में बसे बड़ा हिस्सा, यानी 85 प्रतिशत पर कब्जा किया। ालांकि मूल्य के मामले में यूपीआई की हिस्सेदारी सिर्फ 9 तिशत रही। वहीं आरटीजीएस सिस्टम ने मूल्य के मामले 69 प्रतिशत का सबसे बड़ा हिस्सा दर्ज किया, जबकि ात्रा के मामले में इसकी हिस्सेदारी सिर्फ 0.1 प्रतिशत रही। बहुत ज्यादा होते हैं। इस कारण मात्रा में इसकी हिस्सेदारी ज्यादा होती है, लेकिन मूल्य में कम। वहीं आरटीजीएस जिसे होलसेल पेमेंट सिस्टम भी कहा जाता है, बड़े लेनदेन के लिए इस्तेमाल होता है। इसमें कम से कम 2 लाख रुपये के लेनदेन की सीमा है, इसलिए यह मूल्य के मामले में ज्यादा योगदान देता है।

बड़े मूल्य के भुगतान सिस्टम में आरटीजीएस के अलावा क्लीयरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित सिस्टम भी शामिल हैं। सीसीआईएल के लेनदेन में भी पिछले कुछ सालों में बढ़ोतरी देखी गई है। साल 2019 में जहां 35 लाख लेनदेन हुए थे, वहीं साल 2024 में यह संख्या बढ़कर 45 लाख हो गई। मूल्य के मामले में, यह 1,270 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2,780 लाख करोड़ रुपये हो गया। साल 2025 की पहली छमाही में सीसीआईएल में 28.8 लाख लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य 1,734 लाख करोड़ रुपये था।

रिजर्व बैंक ने यह भी बताया कि सरकारी प्रतिभूति बाजार में भी काफी विस्तार हुआ है। साल 2019 में जहां इसका मूल्य 769 लाख करोड़ रुपये था, वहीं साल 2024 तक यह बढ़कर 1,812 लाख करोड़ रुपये हो गया। साल 2024 में लेनदेन की मात्रा भी साल 2019 के 13.76 लाख से बढ़कर 17.6 लाख हो गई। साल 2025 की पहली छमाही में, 9.85 लाख लेनदेन

सहयोग बढ़ाने पर चर्चा; निवेश का दिया न्योता

जर्मनी में मंत्री कैथरीना रीचे से मिले पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी।
बर्लिन में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार (23 अक्तूबर) को जर्मनी की आर्थिक मामलों और ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीचे के साथ मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच ग्रीन एनर्जी, न्यू और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी और डिफेंस पर भारत और जर्मनी के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई। इसी के साथ उन्होंने भारत की विशाल प्रतिभा क्षमता और व्यापार सुगमता में किए गए सुधारों पर प्रकाश डालते हुए जर्मन कंपनियों को भारत में निवेश विविधीकरण के लिए आमंत्रित किया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा,बर्लिन में जर्मनी की आर्थिक मामलों और ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीचे से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। हमारी चर्चा व्यापार और निवेश में





मजबूत करने, हरित ऊर्जा, नई और उभरती प्रौद्योगिकियों, रक्षा क्षेत्र में संयुक्त औद्योगिक और तकनीकी साझेदारी पर केंद्रित रही। बातचीत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए जर्मनी की प्रतिबद्धता पर भी चर्चा हुई। उन्होंने आगे लिखा कि मैंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे भारत का विशाल प्रतिभा भंडार, और व्यापार सुगमता के लिए हमारा निवेश में विविधता लाने और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को मजबूत करने के आकर्षक अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा जर्मनी की अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान पीयूष गोयल ने जर्मन मिटेलस्टैंड (एसएमई) कंपनियों और भारतीय व्यवसायों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ एक गोलमेज चर्चा में भाग लिया। भारतीय मंत्री ने नवाचार और सतत जाने वाले प्रमुख अवसरों पर प्रकाश डाला और भारतीय एवं जर्मन कंपनियों के बीच सहयोग, व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने, और पारस्परिक विकास के लिए मजबूत औद्योगिक साझेदारी बनाने के तरीकों पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मंत्री गोयल की बैठकें दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के नेताओं और व्यावसायिक संघों के साथ उच्च-प्रभावी बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए आयोजित की गई हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस यात्रा के एक प्रमुख घटक में शेफलर ग्रुप, रेन्क व्हीकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस, हेरेनक्नेच्ट एजी, इन्फिनियन टेक्नोलॉजीज एजी, एनरट्रैग एसई और मर्सिडीज-बेंज ग्रुप एजी जैसी प्रमुख जर्मन कंपनियों के सीईओ के साथ आमने-सामने की बैठकें

पहलवान नीशू, पुलकित और सृष्टि सेमीफाइनल में हारीं, अब कांस्य हासिल करने का मौका



नोवी साद, एजेंसी

भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-23 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। नीशू, पुलकित और सृष्टि अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में हार गईं जिससे वे अब कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगी। नीशू (55 किग्रा) ने जापान की मो कियूका को 6-2 से हराने के बाद किरा सोलोबचुक पर 10-1 से जीत हासिल करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया। लेकिन तुर्किये की तुबा देमिर ने अंतिम चार में उन्हें 6-4 से हरा दिया।पुलकित (65 किग्रा) ने दोनों जीत तकनीकी श्रेष्ठता से हासिल की। उन्होंने कनाडा की मारिया सावियाक (10-0) और तुर्किये की बेयजा अक्कस (18-8) को हराया लेकिन सेमीफाइनल में एलिजावेटा पेटिलियाकोवा से 6-9 से पराजित हो गईं। सृष्टि ने 68 किग्रा वर्ग में कनाडाई पहलवान एंजेलिना एलिस टोडिंगटन को तकनीकी श्रेष्ठता (12-2) के आधार पर हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में उन्होंने यूक्रेन की मनोला स्कोबेल्स्का पर 6-3 से आसान जीत दर्ज की। पर एलिना शेवचेंको ने सृष्टि पर 10-6 से जीत हासिल की।वहीं, नेहा शर्मा ने 57 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। वह रोमानिया की जॉर्जियाना लिर्का (6-0) और कजाकिस्तान की निलुफर रैमोवा (5-0) को हराने के बाद जापान की अकारी फुजिनामा से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गईं। नेहा को हालांकि फुजिनामा के सेमीफाइनल में जीतने से रेपचेज से मौका मिलेगा। हैनी कुमारी (50 किग्रा), दीक्षा मलिक (72 किग्रा) प्रतियोगिता से बाहर हो गई जबकि प्रिया 76 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

एशियाई युवा खेलों में भारत ने कबड्डी में दो स्वर्ण जीते, पदक तालिका में 5वें स्थान पर



नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने पश्चिम एशियाई देश बहरीन में आयोजित एशियाई युवा खेलों में शानदार प्रदर्शन किया है। बृहस्पतिवार को कबड्डी में दो स्वर्ण पदक जीतकर देश के युवा खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया। लड़कों और लड़कियों, दोनों टीमों ने स्वर्ण पदक हासिल कर भारत को तालिका में पांचवें पायदान पर पहुंचा दिया। अब तक भारत 2 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य (कुल 10 पदक) जीत चुका है। बता दें कि इस प्रतियोगिता का समापन 31 अक्तूबर को होगा।स्वर्ण पदक जीतने के बाद बहरीन के भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर दोनों टीमों के खिलाड़ियों की तस्वीर और वीडियो क्लिप साझा की। युवा टीम के शानदार प्रदर्शन को लेकर बधाई देते हुए उच्चायोग ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, गर्ल्स कबड्डी की शान... भारत की गर्ल्स कबड्डी टीम ने बहरीन में एशियन यूथ गेम्स में ईरान को 75-21 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया ! भारतीय कौशल, जज्बा और स्वर्ण !लड़कों की कबड्डी टीम को मिली रोमांचक जीत पर लड़कों को बधाई देते हुए दूतावास ने एक्स हैंडल पर लिखा, कबड्डी टीम ने ईरान को 35-32 से हराकर एशियन यूथ गेम्स, बहरीन में जीत हासिल की। दूतावास ने इसे भारत के लिए धैर्य, गौरव और स्वर्ण का लम्हा। इसा स्पोर्ट्स सिटी में हुए फाइनल मुकाबलों में भारतीय टीमों ने अलग-अलग अंदाज़ में जीत दर्ज की। लड़कियों की टीम ने ईरान को 75-21 से करारी शिकस्त दी। भारत ने पहले हाफ में 33-12 की बढ़त बनाई और दूसरे हाफ में 42 अंक जोड़ते हुए विपक्षी टीम को मात्र 9 अंकों तक सीमित रखा। ग्रुप चरण में भी भारतीय लड़कियों ने बांग्लादेश (46-18), थाईलैंड (70-23), श्रीलंका (73-10) और ईरान (59-26) को हराकर अपराजित रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी।

तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम में हो सकते हैं बदलाव



सिडनी, एजेंसी। भारत ने अब तक तीन तेज गेंदबाज और तीन ऑलराउंडर के साथ उतरने का फैसला किया जो उसके लिए कारगार साबित नहीं हुआ है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती दोनों मैचों में चुनौती नहीं दे सका। इस दौरान गेंदबाजों ने काफी निराश किया और दोनों ही मैच में लक्ष्य का बचाव नहीं किया जा सका।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज गंवा चुकी है और अब दोनों टीमों के बीच आज को तीसरा मैच खेला जाना है। भारत की नजरें क्लीन स्वीप होने से बचने पर टिकी होंगी। भारत ने अब तक तीन तेज गेंदबाज और तीन ऑलराउंडर के साथ उतरने का फैसला किया जो उसके लिए कारगार साबित नहीं हुआ है। भारत के पास सीरीज में पाने को कुछ नहीं है इसलिए यह संभव है कि टीम प्रबंधन प्लेइंग-11 में कुछ बदलाव कर सकता है।

दोनों मैचों में चुनौती नहीं दे सका भारत

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती दोनों मैचों में चुनौती नहीं दे सका। इस दौरान गेंदबाजों ने काफी निराश किया और दोनों ही मैच में लक्ष्य का बचाव नहीं किया जा सका। पर्थ में खेले गए पहले वनडे मैच में बारिश ने काफी प्रभाव डाला, लेकिन एडिलेड में भी गेंदबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। वहीं, फील्डिंग में भी भारत ने कुछ गलतियां की। अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों ने आसान से कैच छोड़े जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीवनदान मिले। भारतीय टीम को अपनी फील्डिंग में सुधार की जरूरत है।

इस मुकाबले के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11 इस प्रकार है...

भारत : रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नीतीश रेड्डी, कुलदीप यादव/वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

ऑस्ट्रेलिया : मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रेविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कोनोली, मिचेल ओवन, जेवियर बार्टलेट, मिचेल स्टार्क, एडम जांपा, जोश हेजलवुड।

कुलदीप को मिलेगा मौका?

भारतीय टीम तीसरे वनडे के लिए प्लेइंग-11 में दो बदलाव कर सकती है। टीम प्रबंधन की कोशिश गेंदबाजी आक्रमण को धार देने की होगी, ऐसे में कलाई के स्पिनर कुलदीप की जगह प्लेइंग-11 में बन सकती है। कुलदीप को वाशिंगटन सुंदर की जगह एकादश में लाया जा सकता है। वहीं, हर्षित राणा की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में मौका मिल सकता है। हर्षित दूसरे वनडे में कुछ दिक्कतों का सामना कर रहे थे और पूरी तरह फिट नजर नहीं आ रहे थे। भारत ने अब तक स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर डाली है जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन यह दोनों गेंदबाजी में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है। वहीं, नीतीश जैसे बल्लेबाज को आठवें नंबर पर उतारना सही रणनीति नहीं लगती है। गेंदबाजी में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे।

रोहित-कोहली पर रहेंगी नजरें

जब से यह सीरीज शुरू हुई है सबसे ज्यादा चर्चा रोहित शर्मा और विराट कोहली पर ही चल रही है। संभवतः इन दोनों दिग्गजों का यह आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा है, ऐसे में रोहित-कोहली को खेलता देखने के लिए सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर प्रशंसकों का जमावड़ा लगने की उम्मीद है। रोहित ने जहां पहले मैच में सस्ते में आउट होने के बाद दूसरे मैच से दमदार वापसी की और अर्धशतक लगाया। वहीं, कोहली लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट हुए। कोहली से सिडनी में बड़ी पारी खेलने की उम्मीद रहेगी। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि सीरीज समाप्त होने के बाद रोहित और कोहली अपने वनडे भविष्य को लेकर कोई बड़ा फैसला लेते हैं या नहीं।

हार्दिक की खल रही कमी

भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोट के कारण इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह नीतीश रेड्डी को प्लेइंग-11 में मौका मिला, लेकिन वह दोनों मैचों में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। गेंदबाजी में भी भारत को हार्दिक की कमी खल रही है। नीतीश ने अपने करियर में अब तक यही दो वनडे खेले हैं, इसलिए उन्हें आंकना जल्दबाजी होगी। लेकिन अगर नीतीश को वनडे में अपनी जगह पक्की करनी है तो उन्हें प्रभावित करना होगा क्योंकि हार्दिक की वापसी के बाद उनके लिए जगह बरकरार रखना मुश्किल हो सकता है।



इरफान पठान ने कोहली को दी संयम बरतने की सलाह, बोले- रन बनाने के लिए बेताब नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज में लगातार दो बार शून्य पर आउट होने के बावजूद हताशा नहीं दिखानी चाहिए। भारतीय टीम पहले ही तीन मैचों की सीरीज में 0-2 से पीछे चल रही है, लेकिन कोहली की फॉर्म चिंता का विषय बन गया है। कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। कोहली अब तक दो मैचों में खाता खोले बिना आउट हुए हैं। इस दिग्गज बल्लेबाज ने पर्थ में खेले गए पहले वनडे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी, लेकिन वह शुरुआती दोनों मैच में विफल रहे।

करियर में पहली बार लगातार दो मैचों में खाता नहीं खोल सके कोहली

2027 वनडे विश्व कप खेलने का लक्ष्य रखने वाले कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैचों में खाता खोले बिना आउट हुए हैं। यह पहली बार है जब कोहली अपने वनडे करियर में लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट हुए हैं। कोहली का बल्ला एडिलेड में जमकर चलता है, लेकिन इस बार यहां भी वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और भारत के लिए बस वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि कोहली का लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में खेलना है।

इरफान बोले- बल्लेबाज का आनंद लेना होगा

इरफान ने कहा, दो मैच, दो बार शून्य पर आउट होना हमने ऐसा कम ही देखा है। ऐसा अक्सर नहीं होता। यह दबाव, सुस्ती या कुछ भी हो सकता है। ये सारी बातें सोशल मीडिया पर चल रही हैं और माहौल बनाया जा रहा है। हमें सावधान रहना होगा कि इन दोनों खिलाड़ियों पर इस माहौल का असर न पड़े। अगर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो वे नहीं खेलेंगे। वह इससे कैसे उबर सकते हैं? वह जल्दी से एक रन लेकर स्ट्राइक से हटना चाहते हैं। जब आप दो बार शून्य पर आउट हों तो आप रन बनाना चाहते हैं। लेकिन उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह हताश न हों। हताश होने पर वह बल्लेबाजी का आनंद नहीं ले सकेंगे। उन्हें बल्लेबाजी का आनंद लेते रहना होगा। एक बार जब वह समय बिता लेंगे, तो रन आएंगे और वह पीछे मुड़कर नहीं देखेंगे। कोहली को वनडे क्रिकेट सबसे ज्यादा पसंद है। इरफान ने कहा, रोहित शर्मा और विराट कोहली ने कमाल का प्रदर्शन किया है। इसलिए, अगर वे संघर्ष कर रहे हैं तो उनके साथ बने रहना जरूरी है। यह मुश्किल है क्योंकि यशस्वी जायसवाल बेंच पर हैं। लेकिन अगर आपके सिर पर तलवार लटक रही हो, तो खेलना आसान नहीं होता। मुझे उम्मीद है कि इसका असर कोहली पर नहीं पड़ेगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान, भारत में होना है आयोजन; एफआईएच ने की पुष्टि



नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान नवंबर और दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हट गया है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने शुक्रवार को न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से इसकी पुष्टि की है। एफआईएच ने कहा कि पाकिस्तान की जगह कौन सी टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी इसकी घोषणा जल्द की जाएगी। जूनियर हॉकी विश्व कप का आयोजन 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होगा। एफआईएच ने बताया, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने एफआईएच को सूचित कर दिया है कि आगामी हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 के लिए शुरू में क्वालिफाई करने वाली उसकी टीम अंततः इसमें भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान की जगह कौन सी टीम इस टूर्नामेंट का हिस्सा होगी, इसकी घोषणा जल्द कर दी जाएगी। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से रिश्ते काफी तल्ख चल रहे हैं। इस साल 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था जिसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये सैन्य कार्रवाई की थी। भारत ने भी स्पष्ट किया था कि किसी भी खेल के लिए उनकी टीमें पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले फिट हुआ ऑस्ट्रेलिया का ऑलराउंडर, मैदान पर वापसी को तैयार

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल कलाई में फ्रैक्चर से उबर गए हैं और वह भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेल सकते हैं। वहीं, युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन को भी टीम में चुना गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज 29 अक्तूबर से खेली जाएगी। दोनों टीमों के बीच फिलहाल तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है।

टी20 सीरीज के लिए 37 वर्षीय मैक्सवेल और बियर्डमैन अंतिम तीन मैचों के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और गेंदबाजी ऑलराउंडर सीन एबॉट क्रमशः पहले दो और तीन मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। सितंबर में न्यूजीलैंड में ऑस्ट्रेलिया की तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले नेट पर गेंदबाजी करते समय मैक्सवेल की कलाई में फ्रैक्चर हो गया था।

20 वर्षीय बियर्डमैन ने अब तक लिस्ट ए के पांच मैचों और बिग बैश लीग के दो मैचों



में शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे वह भारत के खिलाफ इस महत्वपूर्ण सीरीज के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहे। वह 2024 में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया टीम के स्टार खिलाड़ी थे। उन्होंने फाइनल में तीन विकेट लिए थे। उन्होंने पिछले साल सीनियर वनडे टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा भी किया था, लेकिन उन्हें तब खेलने का मौका नहीं मिला था।

इस बीच ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ शनिवार को सिडनी में होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे के लिए तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स और बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन को टीम में शामिल किया है, जबकि मार्नस लाबुशेन को शेफील्ड शील्ड में खेलने के लिए रिलीज कर दिया गया है। लाबुशेन को पर्थ में भारत के खिलाफ पहले मैच से पूर्व वनडे टीम में शामिल किया गया था, क्योंकि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को हल्की चोट के कारण बाहर होना पड़ा था। लाबुशेन हालांकि इन दोनों मैच के लिए अंतिम एकादश में जगह नहीं बना पाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने इन दोनों मैच में जीत दर्ज करके सीरीज में अजेय बढ़त हासिल कर ली है। विकेटकीपर जोश इंगलिस को अंतिम वनडे में खेलने का मौका मिल सकता है।

सेमीफाइनल की चार टीमें तय, जानें भारत का किस टीम से हो सकता है मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला वनडे विश्व कप का ग्रुप चरण अब अपने अंतिम दौर में है और सेमीफाइनल की चार टीमें तय हो चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और भारत ने सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है, जबकि न्यूजीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया है। भारत ने गुरुवार को न्यूजीलैंड से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

भारत ने न्यूजीलैंड को 53 रन से हराकर महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस महत्वपूर्ण मुकाबले



में बारिश ने खलल डाली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने 49 ओवर में तीन विकेट खोकर 340 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो एक बार फिर बारिश आई और डीएलएस पद्धति के तहत उन्हें 44 ओवरों में 325 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर 271 रन ही बना सकी। इस तरह हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को लगातार तीन मैचों में हार के बाद आखिरकार जीत मिली। यह जीत उसके लिए खास रही क्योंकि इससे वह अंतिम चार में पहुंचने में सफल रही। भारत ने महिला विश्व कप के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था और फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को मात दी थी। लेकिन उसे दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम न्यूजीलैंड को हराकर जीत की राह पर लौटने में सफल रही। भारतीय महिला टीम ने छह में से तीन मैच जीते हैं और तीन में उसे हार मिली है। टीम फिलहाल छह अंक लेकर चौथे स्थान पर है और उसका नेट रनरेट भी +0.628 का है। भारत को अब ग्रुप चरण के आखिरी मैच में बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है।



डायरेक्टर एटली ने विज्ञापन की दुनिया में किया डेब्यू

जब बात हो स्केल, इमोशन और स्टाइल को एक साथ जोड़ने की, तो डायरेक्टर एटली का नाम सबसे पहले आता है। वे जिस प्रोजेक्ट को हाथ लगाते हैं, उसे सिनेमैटिक मैजिक में बदल देते हैं और इसका सबूत है हाल ही में चिंग्स के लिए किया गया उनका नया विज्ञापन।गौरतलब है कि 'जवान', 'मर्सल' और 'थेरी' जैसी मेगा हिट फिल्मों के लिए जाने जाने वाले एटली ने अब विज्ञापन की दुनिया में कदम रखा है, और यहां भी उन्होंने वही ग्रैंड सिनेमाई करिश्मे का प्रदर्शन किया है और उसे लार्जर दैन लाइफ बना दिया है। 8 मिनट का यह चिंग्स विज्ञापन पारंपरिक 30-सेकंड वाले फॉर्मेट को न सिर्फ पूरी तरह तोड़ता है, बल्कि दर्शकों को एक मिनी ब्लॉकबस्टर का अनुभव भी देता है, जिसमें हाई-ऑक्टेन एक्शन, ड्रामा, इमोशन और विजुअल ब्रिलियंस का तड़का लगा है। यह सिर्फ एक विज्ञापन नहीं, बल्कि आठ शानदार मिनटों में पेश किया गया मास एंटरटेनमेंट का डबल डोज़ है। अपनी कोलैबोरेशन पर बात करते हुए डायरेक्टर एटली कहते हैं, मेरे लिए हमेशा प्यार सीक्रेट इंग्रिडिएंट रहा है और चिंग्स कुछ ऐसा बनाना चाहता था, जिसे इंडिया सिर्फ देखे नहीं, बल्कि प्यार करे तो मैने बिना दो बार सोचे हां कह दिया। हालांकि इसे रणवीर की मैडनेस, बॉबी सर के मैजिक और श्रीलीला की फ्रेशनैस ने और खास बना दिया और हमने इसे बहुत दिल से पकाया। अब इसे ऑडियंस को टेस्ट करना है। रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की दमदार मौजूदगी के साथ यह फिल्म सिनेमैटिक फ्लेयर का मास्टरक्लास है। हर फ्रेम में स्केल और स्पेक्टेकल नजर आता है, जैसे स्लो-मोशन हीरो एंट्रीज़, ड्रामैटिक लाइटिंग, एनर्जी से भरी कोरियोग्राफी और एटली की फिल्मों की तरह गूंजता बैकग्राउंड स्कोर। एटली सिर्फ डायरेक्ट नहीं करते, वे एलीवेट करते हैं। यही वजह है कि उनके निर्देशन में रणवीर सिंह अपनी पिछली विज्ञापन फिल्मों की अपेक्षा कहीं अधिक दमदार नजर आ रहे हैं।

एटली ने उनकी करिश्माई पर्सनैलिटी, इंटेंसिटी और चार्म को ऐसे कैप्चर किया है कि स्क्रीन पर आग लग जाती है और यह परफॉर्मेंस, स्टाइल और स्टोरीटेलिंग का एक परफेक्ट मिश्रण बन जाता है। हर शॉट ऊर्जा, इमोशन और ग्रैंड विजुअल्स से भरा है, जो एटली की क्राफ्ट का ट्रेडमार्क है। चाहे सिनेमा हो या विज्ञापन, उनकी स्टोरीटेलिंग हमेशा भव्य, इमर्सिव और यादगार रहती है।



सान्या मल्होत्रा ने दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर अपना एक खास अनुभव शेयर किया, जो उन्हें बेहद पसंद भी आया। इस गाने ने उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की।

सान्या मल्होत्रा का पोस्ट

आज बुधवार को सान्या ने इंस्टाग्राम पर चार्मर गाने का एक रिहर्सल वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद ड्रेस में शानदार डांस मूव्स करती नजर आईं। इसके साथ सान्या ने कैप्शन में लिखा, मैंने इससे पहले कभी हील्स में डांस नहीं किया और अब मैं रुकना नहीं चाहती। मुझे दिलजीत दोसांझ के चार्मर गाने पर डांस करने का मौका मिला। मेरी टीम और डायरेक्टर का शुक्रिया। जान्हवी कपूर और राखी सावंत ने इस पोस्ट पर फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। सोफी चौधरी ने लिखा, वो सब तो ठीक है... लेकिन मुझे कभी इतना स्वैग वाला फैन लड़का क्यों नहीं मिला? आप लोगों के मूव्स बहुत पसंद हैं... हमेशा।

दिलजीत दोसांझ का एल्बम ऑरा

चार्मर गाना दिलजीत के एल्बम ऑरा का हिस्सा है, जिसे 20 अक्तूबर को रिलीज किया गया। इस गाने का संगीत अवी सरा ने दिया और बोल राज रंजोध ने लिखे। वीडियो में सान्या एक खूबसूरत जगह पर जोशीले अंदाज में डांस करती दिख रही हैं। वीडियो को शारिक सेक्रेरा ने डायरेक्ट किया, श्लोक आहूजा ने शूट किया और यश कदम ने कोरियोग्राफी की। इसके पहले, दिलजीत के एल्बम से कुफर गाना रिलीज हुआ था, जिसमें मानुषी छिल्लर नजर आई थीं।

सान्या का करियर

हाल ही में सान्या फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन और जान्हवी कपूर के साथ नजर आईं। जो 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। कथित तौर पर सान्या अगली फिल्म में वह बॉबी देओल के साथ नजर आ सकती हैं।

शहनाज गिल की पंजाबी फिल्म 'इक कुड़ी' का ट्रेलर रिलीज



शहनाज गिल अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'इक कुड़ी' को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इस फिल्म का ट्रेलर एक्ट्रेस ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया है। फिल्म का ट्रेलर काफी मजेदार है। इसमें कॉमेडी, ड्रामा, इमोशन, लव एंगल सबकुछ है। दूल्हे को परखने निकलीं 'इक कुड़ी'। शहनाज गिल की फिल्म 'इक कुड़ी' एक आम लड़की की कहानी है, जिसकी शादी पैरेंट्स करना चाहते हैं। एक रिश्ता पक्का भी हो जाता है। लेकिन फिल्म की हीरोइन यानी शहनाज का किरदार अपने होने वाले दूल्हे को परखना चाहता है। इसके लिए वह परिवार के साथ मिलकर एक अलग ही प्लान बनाती है। यही से शुरू होती है फिल्म में ड्रामा, रोमांस और कॉमेडी की ट्रिपल डोज।

रश्मिका मंदाना ने शेयर किया थामा की शूटिंग का अनुभव

मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा रिलीज हो चुकी है। फिल्म में आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहे हैं। फिल्म का कलेक्शन भी शानदार रहा है, लेकिन अब रश्मिका मंदाना ने अपने शूटिंग के दिनों को याद किया है और अपने को-स्टार से लेकर वरू-मेंबर्स तक को दिल से शुक्रिया कहा है।

रश्मिका मंदाना ने अपना इंस्टाग्राम अपडेट किया है और शूटिंग सेट की अनदेखी फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वे कभी मेकअप करती दिख रही हैं तो कभी रात को हॉरर सीन की शूटिंग कर रही हैं। देखकर साफ पता चल रहा है कि एक-एक सीन को परफेक्ट बनाने के लिए सभी ने कितनी मेहनत की है।

एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ओह... मैं कहां से शुरू करूं... पहली कॉल-शीट से लेकर आखिरी कट शीट तक, यह फिल्म सिर्फ काम से कहीं अधिक रही है... यह दिल की, धैर्य की, हंसी और चोटों की और उन सुबहों की यात्रा रही है जिनके लिए हम जागना नहीं चाहते थे और उन रातों की जिन्हें हम खत्म नहीं करना चाहते थे। रश्मिका मंदाना ने आयुष्मान खुराना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल का शुक्रिया भी अदा किया है, क्योंकि उनके साथ सीन करना सहज और स्वाभाविक रहा, जबकि डायरेक्टर आदित्य ने हर डायलॉग को ठीक से करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि कई बार ऐसा भी होता था कि वे अपना मेकअप उतारना भूल जाती थी, क्योंकि वे बहुत थक जाती थी, ऐसे में मेकअप मैन उनकी मदद करते थे।

हॉरर-कॉमेडी थामा फिल्म की बात करें तो फिल्म को मैडॉक के बैनर तले ही बनाया गया है और ये उनकी हॉरर यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है, जो पर्दे पर हिट होने के लिए तैयार है। इससे पहले मैडॉक स्त्री, स्त्री-2, भेड़िया, और मुंज्या बना चुके हैं और चारों ही फिल्मों ने अच्छी कमाई की। फिल्म की कहानी की बात करें तो फिल्म में आयुष्मान खुराना एक वैम्पायर बन जाते हैं और रश्मिका मंदाना पहले से ही वैम्पायर है, अब दोनों को प्यार हो जाता है और नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक तांत्रिक बने हैं, जो बुरी शक्तियों के राजा बनना चाहते हैं। फिल्म में हॉरर, रोमांस और कॉमेडी तीनों देखने को मिलेंगे।





नफ़रत में संदीपा धर और दर्शन रावल की केमिस्ट्री ने जीता दिल

संदीपा धर एक बार फिर दर्शकों को मोहित करने लौटी हैं अपने नए म्यूज़िक वीडियो 'नफ़रत' के साथ, जिसमें उनके साथ नज़र आ रहे हैं सोलफुल सिंगर दर्शन रावल। अपनी अभिव्यक्तिपूर्ण अदाकारी और ग्रेसफुल डांसिंग के लिए जानी जाने वाली संदीपा एक बार फिर साबित करती हैं कि वह आज के समय की सबसे बहुमुखी परफॉर्मर्स में से एक हैं।पहले ही फ्रेम से संदीपा एक अलौकिक आकर्षण बिखेरती हैं — उनकी खूबसूरती प्यार, दर्द और नाज़ुक भावनाओं के हर पहलू को सहजता से दर्शाती है। उनकी अभिव्यक्तिपूर्ण आंखें और नैचुरल स्क्रीन प्रेज़ेंस हर गीत को जीवन से भर देती हैं, जो दर्शन रावल की मधुर आवाज़ के साथ एक खूबसूरत दृश्य कविता का रूप ले लेती है। गीत के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा- 'नफ़रत' उन गानों में से एक है जो आपको प्यार के हर रंग को महसूस करने का मौका देता है। दर्शन के साथ काम करना शानदार अनुभव था; उनके संगीत में इतनी सहज भावनाएँ होती हैं कि उसमें खुद को पूरी तरह डुबो देना आसान हो जाता है। डांस हमेशा से मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहा है — यह उन भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है जिन्हें शब्दों में कहना मुश्किल होता है। इस गाने में एक डांस सीक्वेंस था जिसमें मुझे अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना पड़ा, और मुझे खुशी है कि मेरा परफॉर्मेंस कहानी को और ऊंचाई देता है, 'नफ़रत' में संदीपा की एक्टिंग के साथ-साथ उनकी डांसिंग स्किल्स भी बखूबी झलकती हैं। हर मूवमेंट और जेस्चर में उनकी नफ़ासत और जुनून दिखाई देता है, जो कहानी में लय और गहराई दोनों जोड़ता है। गाने के विज़ुअल्स — मूडी, काव्यात्मक और सिनेमैटिक — उनके प्रदर्शन को और भी प्रभावशाली बना देते हैं, जिससे संदीपा वीडियो का धड़कता हुआ दिल बन जाती हैं। अब जब 'नफ़रत' रिलीज़ हो चुका है, दर्शक संदीपा धर और दर्शन रावल की खूबसूरत केमिस्ट्री को महसूस कर सकते हैं — जो एक साथ गहराई, जुनून और कोमलता से भरी है। खूबसूरती, भावना और कला का यह मेल 'नफ़रत' को सिर्फ एक म्यूज़िक वीडियो नहीं बल्कि एक अनुभव बना देता है, जो दिल में बस जाता है और यह साबित करता है कि संदीपा धर आज की सबसे मनमोहक परफॉर्मर्स में से एक हैं।





तेलुगु में डेब्यू करने जा रहे दिग्गज अभिनेता शिवा राजकुमार

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता शिवा राजकुमार अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो सिर्फ सिनेमा नहीं बल्कि समाज और राजनीति से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। कन्नड़ फिल्मों के इस सुपरस्टार ने अब अपने करियर का नया अध्याय शुरू किया है- तेलुगु सिनेमा में बतौर लीड डेब्यू। वह जल्द ही पांच बार के विधायक और जनता के नेता गुम्मादि नरसैया के जीवन पर आधारित बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं।

जनता के बीच से निकला जननेता

तेलंगाना के येल्लंदु क्षेत्र से आने वाले गुम्मादि नरसैया का नाम उस दौर में भी लोगों की जुबान पर था जब राजनीति का मतलब सेवा हुआ करता था, सत्ता नहीं। वह कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) से पांच बार विधायक रहे, लेकिन सादगी और ईमानदारी की मिसाल बने रहे। साइकिल पर विधानसभा पहुंचने वाले इस नेता ने कभी लाल बत्ती की कार का मोह नहीं किया। गरीबों और आदिवासियों के हक की आवाज उठाने वाले नरसैया ने ज़मीनी स्तर पर वह काम किया जिसे आज की राजनीति शायद भूल चुकी है। यही कारण है कि उनका जीवन अब बड़े परदे पर लाया जा रहा है।

शिवा राजकुमार निभाएंगे किरदार

शिवा राजकुमार, जिन्हें दक्षिण में 'करुणाडा चक्रवर्ती' कहा जाता है, इस बायोपिक में नरसैया का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण प्रवल्लिका आर्ट्स क्रिएशंस के बैनर तले हो रहा है और निर्देशन की कमान संभाली है नए निर्देशक परमेश्वर हिवराले ने। फिल्म की घोषणा एक भावनात्मक पोस्टर के साथ की गई, जिसमें शिवा राजकुमार को सफेद कुर्ता-पायजामा और लाल शॉल में दिखाया गया है। उनके साथ उनकी साइकिल पर सीपीआई (एमएल) का झंडा लहरा रहा है- एक ऐसा नजारा जो उनके राजनीतिक जीवन का प्रतीक बन गया था।

सामाजिक बदलाव की कहानी

फिल्म के पहले लुक वीडियो में डॉक्टर भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी की मूर्तियों के साथ भारतीय संविधान की झलक दिखाई गई है। ये दृश्य फिल्म के मूल विचार को परिभाषित करते हैं- जनता के अधिकारों की लड़ाई और समानता का संघर्ष। निर्देशक के अनुसार, फिल्म सिर्फ एक राजनीतिक जीवन की कहानी नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, संविधान और समाज के बीच के उस रिश्ते को भी उजागर करती है जो समय के साथ धुंधला पड़ गया है।

सिनेमा से परे एक आंदोलन की शुरुआत

गुम्मादि नरसैया का किरदार निभाना शिवा राजकुमार के लिए महज एक अभिनय नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। वह खुद इस परियोजना को लोगों के संघर्ष की गाथा बता चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के ऐलान वीडियो में खुद गुम्मादि नरसैया के इंस्टाग्राम अकाउंट को टैग किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह भी फिल्म के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

शिवा राजकुमार की व्यस्त फिल्मी पारी

शिवा राजकुमार इन दिनों साउथ सिनेमा के सबसे व्यस्त सितारों में गिने जाते हैं। वह जल्द ही '45' में उपेंद्र और राज बी शेट्टी के साथ नज़र आने वाले हैं। इसके अलावा 'डेड' और '666 ऑपरेशन ड्रीम थिएटर' जैसी फिल्मों पर भी काम कर रहे हैं। साथ ही वह रजनीकांत की 'जेलर 2' और राम चरण की 'पेड्डी' में कैमियो करते हुए भी दिखेंगे।